वैशाख शुक्ल पक्ष- 16, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 296 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
02 मई 2026 शनिवार

आज का मौसम
39.8 अधिकतम
28.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

टीएमसी को झटका...सुप्रीम कोर्ट ने कहा - चुनाव आयोग की प्रक्रिया में दखल नहीं देंगे

ममता की दलीलें फेल, काउंटिंग के लिए केंद्रीय कर्मियों की तैनाती सही

नई दिल्ली/ कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच तृणमूल कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने मतगणना प्रक्रिया से जुड़े चुनाव आयोग के फैसले में दखल देने से साफ इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है और चुनाव आयोग अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर काम कर रहा है।

टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें मतगणना के लिए केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम के कर्मियों की तैनाती का प्रावधान किया गया है। तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति यह थी कि इसमें राज्य सरकार और राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों को शामिल नहीं किया गया। इस मामले की सुनवाई जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की विशेष पीठ ने की। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में अवकाश होने के बावजूद इस मामले की अहमियत को देखते हुए सुनवाई की गई। हालांकि कोर्ट ने साफ कर दिया कि चुनाव आयोग का परिपत्र नियमों के खिलाफ नहीं है और इसमें दखल देने का कोई आधार नहीं बनता। सुनवाई के दौरान टीएमसी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल

सिब्बल ने कई दलीलें रखीं। उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी को 13 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन इसकी जानकारी पार्टी को 29 अप्रैल को मिली। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हर बूथ पर गड़बड़ी की आशंका जताना बिना ठोस आधार के है और यह चौंकाने वाला है। सिब्बल कहा कि पहले से ही एक केंद्रीय प्रतिनिधि मौजूद होता है, ऐसे में एक और केंद्रीय अधिकारी जोड़ना उचित नहीं है। साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि जब परिपत्र में राज्य सरकार के प्रतिनिधि की बात कही गई है, तो उसकी नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही।

हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग के पास यह अधिकार है कि वह तय करे कि मतगणना के लिए किसे नियुक्त किया जाए। जस्टिस बागची ने कहा कि नियमों के अनुसार केंद्र या राज्य दोनों में से किसी के भी अधिकारी नियुक्त किए जा सकते हैं, और यह विकल्प खुला है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि आयोग का फैसला नियमों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों की सहमति इस प्रक्रिया में जरूरी नहीं है। अदालत के मुताबिक, अगर चुनाव आयोग केवल केंद्रीय अधिकारियों को ही नियुक्त करता, तब भी उसे गलत नहीं ठहराया जा सकता था।

मतगणना प्रक्रिया निष्पक्ष - आयोग

चुनाव आयोग की ओर से भी दलील दी गई कि सभी फैसले नियमों के तहत लिए गए हैं और मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए ये कदम उठाए गए हैं। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट भी टीएमसी की याचिका खारिज कर चुका था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि चुनाव आयोग को यह अधिकार है कि वह मतगणना के लिए सुपरवाइजर और सहायक किसे बनाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद साफ हो गया है कि बंगाल चुनाव में मतगणना की प्रक्रिया चुनाव आयोग के तय नियमों के मुताबिक ही चलेगी। ममता के लिए यह लगातार दूसरा झटका माना जा रहा है, जिससे पार्टी की चुनावी रणनीति पर असर पड़ सकता है।

ट्रम्प का असंतुलित समीकरण... अमेरिका फर्स्ट से 'पीपुल लास्ट' का खतरा !

राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरी पारी में 'अमेरिका फर्स्ट' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि नीति की दिशा बन गया है। सख्त आव्रजन, आक्रामक टैरिफ, और रक्षा बजट का लगातार विस्तार। इन सबने यह संदेश दिया कि अमेरिका अपनी शर्तों पर दुनिया को साधना चाहता है। लेकिन इसी के साथ एक असहज सवाल भी उभर रहा है। क्या इस प्रक्रिया में अमेरिकन पीपुल कहीं पीछे तो नहीं छूट रहे? नीति की यह यह नियति खुद अमेरिका और दुनिया के सामने यक्ष प्रश्न बन गई है। दुनिया के दारोगा बने रहने की यह हसरत सभी पर भारी पड़ रही है। खुद ट्रम्प को भी। दुनिया को अपनी ताकत की नुमाइश अपने ही देश पर काफी भारी साबित हो रही है। अगर बीते दो दशकों की बात करें तो अमेरिका द्वारा छेड़ी गई जंग पर करीब दो से छह ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का खर्च आया है। उसका वार्षिक रक्षा बजट 800-900 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है जिसे और बढ़ाने की कवायद ट्रम्प कर रहे हैं। बीते साल के मुकाबले अमेरिकी संसद से उन्होंने 44 फीसदी ज्यादा की रकम मांगी है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ और एजुकेशन पर नीतिगत बहस होने लगी है और बुनियादी जरूरतों के लिए पैसों को लेकर दबाव बढ़ रहा है। सवाल यह है कि इतने निवेश से आम नागरिक को मिला क्या?

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

युद्ध, खर्च और अधूरी वापसी

ईराक और अफगानिस्तान जैसे युद्धों पर ट्रिलियन डॉलर खर्च हुए, लेकिन न तो स्थायी शांति मिली, न स्पष्ट रणनीतिक जीत। यह सिर्फ भू-राजनीति की कहानी नहीं, बल्कि आर्थिक प्राथमिकताओं की भी कहानी है। जब इतना बड़ा निवेश ठोस परिणाम नहीं देता, तो रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट का सवाल उठना स्वाभाविक है। हर देश को सुरक्षा चाहिए, इस पर बहस नहीं। लेकिन जब रक्षा पर खर्च लगातार बढ़े और उसी समय स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में चुनौतियाँ बनी रहें, तो संतुलन का सवाल खड़ा होता है। क्या सुरक्षा का अर्थ सिर्फ सीमाओं की रक्षा है, या नागरिकों की जीवन-गुणवत्ता भी उसी का हिस्सा है? अप्रत्याशित फैसलों ने वैश्विक बाजारों को सतर्क किया है। निवेशक स्थिरता चाहते हैं, जबकि बार-बार बदलते संकेत अनिश्चितता बढ़ाते हैं। इसका असर अंततः रोजगार, महंगाई और विकास दर पर पड़ता है। यानी सीधे आम आदमी पर।

राजनीतिक लाभ बनाम दीर्घकालिक नुकसान

रिपब्लिकन पार्टी के लिए ये नीतियां अल्पकाल में राजनीतिक लाभ ला सकती हैं। मजबूत नेतृत्व की छवि, समर्थकों का उत्साह। लेकिन दीर्घकाल में यही आक्रामकता आर्थिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय अलगाव और घरेलू ध्रुवीकरण को बढ़ा सकती है। 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा तभी सार्थक है, जब अमेरिकी नागरिक सच में फर्स्ट हों। अगर ट्रिलियन डॉलर की नीतियां उनकी रोजमर्रा की जरूरतों स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगारको पीछे छोड़ दें, तो यह ताकत का नहीं, प्राथमिकताओं के असंतुलन का संकेत है। यानी कहने का बस यही मतलब और लब्बोलुआबहै कि जब नीतियां संतुलन खो देती हैं, तो ताकत भी अपने ही बोझ से दबने लगती है। ट्रम्प के लिए किसी शायर की यही पंक्तियां याद आती हैं...

इस जहां में मेरी तबाही का बस इतना ही है सबब,
मुझे तो लूटा है खुद मेरी जिदों ने।

चेन्नई-मुंबई, समय : शाम 7.30 बजे

बंगाल के 15 बूथों पर दोबारा वोटिंग जारी

डायमंड हार्बर में वोटिंग मशीन खराब होने का दावा

कोलकाता. एजेंसी

पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर के 4 और मगरहाट पश्चिम के 11 बूथों पर सुबह 7 बजे से दोबारा मतदान जारी है। वोटिंग शाम 6 बजे तक होगी। डायमंड हार्बर के रॉयनगर प्राइमरी स्कूल में बूथ नंबर 243 पर एक वोटर ने शिकायत में कहा- यहां पर ईवीएम खराब है, हम आधे घंटे से ज्यादा समय से वोट डालने का इंतजार कर रहे हैं। दोपहर एक बजे तक मगरहाट में 48%, डायमंड हार्बर में 45% वोटिंग हुई है।

दरअसल, 29 अप्रैल को इन बूथों पर दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प की शिकायत मिली थी। इसके चलते दोबारा वोटिंग का फैसला लिया गया। ये सभी बूथ दक्षिण 24 परगना जिले में आते हैं। राज्य की सभी 294 सीटों पर रिकॉर्ड 92.84% वोटिंग हुई। 23 अप्रैल को फर्स्ट फेज की 152 सीटों पर 93.19% मतदान हुआ था। 29 अप्रैल को सेकेंड फेज की 142 सीटों पर 92.48% वोट पड़े।

'इनोवेशन्स इन ग्रीन बिल्डिंग प्रेक्टिसेस' सेमीनार में बोले मुख्यमंत्री

हमें प्रकृति के साथ जीने के साधन तलाशने होंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो

इनोवेशन्स इन ग्रीन बिल्डिंग प्रेक्टिसेस सेमीनार में हिस्से लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आज जरूरत नवाचार के साथ प्राचीन ज्ञान का उपयोग करने की है। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हो रहे इस कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी हिस्सा ले रहे हैं। इसमें निर्माण क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के प्रभावी उपायों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही आधुनिक तकनीकों जैसे 3 डी प्रिंटिंग, स्मार्ट ग्लास और पुनर्नवीनीकरण सामग्री के उपयोग पर भी विशेषज्ञ मंथन कर रहे हैं।

सेमिनार में मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां होने वाली चर्चा के सार्थक निष्कर्ष निकलेंगे। इमारतों को पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर

विशेष जोर दिया जा रहा है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हमें प्रकृति के साथ जीने के साधन तलाशने होंगे। ग्रीन बिल्डिंग प्रेक्टिसेस इसी का हिस्सा हैं। सरकार ने तय किया है कि भविष्य में जो भी सरकारी भवन बनेंगे, इसी अवधारणा को ध्यान में रखा जाएगा। देश भर से आए विशेषज्ञों का सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग, प्राकृतिक रोशनी और बेहतर वेंटिलेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण प्रणालियों को अपनाने पर भी फोकस है।

न्यूज विंडो

जम्मू-कश्मीर के डोडा में नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड

डोडा। जम्मू-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज को उस समय आवागमन पूरी तरह ठप हो गया, जब डोडा के पास पुल क्षेत्र में अचानक भूस्खलन हो गया। पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर और मलबा गिरकर सड़क के बीचों-बीच जमा हो गया, जिससे मार्ग दोनों ओर से बंद हो गया। घटना के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मासूम से दरिंदगी के बाद पत्थर से कुचलकर हत्या

पुणे। भोर तालुका में एक 4 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर बच्ची का शव थाने के बाहर रख दिया। 65 वर्षीय आरोपी घर के बाहर खेल रही मासूम बच्ची को बहला कर तबेले में ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी पहचान छिपाने या पकड़े जाने के डर से पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

एमपी-यूपी, बिहार समेत 9 राज्यों में आंधी-बारिश

लखनऊ। भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में आज तेज हवाओं के साथ बारिश से राहत मिलेगी। देश के 9 राज्यों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। इससे तापमान में 3-5 डिग्री तक की गिरावट होगी। उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच रहा। उरई 41.6 डिग्री के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर है, जबकि हरदोई में न्यूनतम तापमान सबसे कम 17 डिग्री रहा। 27 अप्रैल को बांदा में पारा 47.6 डिग्री पहुंचने के बाद पारा 6 डिग्री तक लुढ़क गया है।

आज का कार्टून

क्रूज हादसे में डूबे चार लोगों की तलाश जारी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

बरगी डैम में गुरुवार को हुए हादसे के बाद से लापता चार लोगों की तलाश के लिए आज सुबह सात बजे से सर्च आपरेशन फिर से शुरू किया गया है। बचाव कार्य में सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें नौकाओं की मदद से लापता लोगों को खोज रही हैं। कुछ परिवार अपनों की तलाश में हैं, कुछ के पास सिर्फ यादें और सदमा है। बचे लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं, लेकिन उनकी बातों में उस शाम की दहशत साफ है। चेन्नई के कामराज परिवार के मृत सदस्यों के शवों को तमिलनाडु एयरलिफ्ट किया जा रहा है। हादसे में बचे रोशन आनंद ने बताया कि क्रूज पर जब हालात बिगड़े तब वहां तीन-चार कर्मचारी थे, लेकिन किसी ने

मदद नहीं की। स्थिति बिगड़ने पर हमने खुद लाइफ जैकेट निकाली और लोगों को पहनाई। अगर ऐसा नहीं करते तो शायद कोई नहीं बचता। बच्चों को एक-एक कर जैकेट पहनाई। इसी बीच क्रूज में पानी भरने लगा। इससे क्रूज को पानी में उतरने से लेकर डूबने तक लापरवाही का पता चलता है। ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं जिनमे क्रूज में सवार लोग बिना लाइफ जैकेट के नजर आ रहे हैं। उधर प्रदेश सरकार के अगले आदेश तक प्रदेश भर में क्रूज के संचालन पर रोक लगा दी है।

संदीप पाठक पर पंजाब में दो केस दर्ज, हो सकती है गिरफ्तारी

नईदिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक की दिक्कतें बढ़ गई हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में पाठक पर पंजाब के अलग-अलग जिलों में दो केस दर्ज हुए हैं। उन पर गैर जमानती धाराएं लगाई गई हैं। सूत्रों के अनुसार, पंजाब पुलिस दिल्ली पहुंच गई है। किसी भी वक्त पाठक की गिरफ्तारी हो सकती है।

25 अप्रैल को पंजाब के सांसद संदीप पाठक ने अन्य सांसदों राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत साहनी, राजेंद्र गुप्ता और दिल्ली की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ भाजपा का दामन थाम लिया था। संदीप पाठक केजरीवाल के बेहद करीबी माने जाते थे। जब केजरीवाल जेल में थे तो उनसे मिलने की अनुमति तीन लोगों को थी, जिनमें एक संदीप पाठक थे। उन्होंने पंजाब चुनाव में अपनी रणनीति से ही पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। पंजाब चुनाव के बाद वे एक तरह से पार्टी के चाणक्य बनकर उभरे थे। इसके बाद पार्टी ने उन्हें राज्यसभा की सीट दी। हालांकि इसके बाद उन्हें पंजाब के पार्टी प्रभारी पद से हटाकर छत्तीसगढ़ का प्रभारी बना दिया गया। उनके स्थान पर मनीष सिसोदिया को पंजाब का चुनाव प्रभारी बनाया गया।

मेट्रो एंकर | **बाकायदा स्टाम्प पेपर पर पार्टनरशिप डीड बनवाते हैं देश-विदेश के बिजनेसमैन**

भक्तों के बिजनेस पार्टनर हैं सांवलिया सेठ, एक साल का मुनाफा 337 करोड़

चित्तौड़गढ़, एजेंसी

राजस्थान के प्रसिद्ध श्रीसांवलिया सेठ मंदिर में इस साल आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि दान के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। पिछले एक साल में मंदिर के भंडार में 337 करोड़ रुपये का चढ़ावा आया है, जो पिछले 34 वर्षों में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। लेकिन इस दान की सबसे रोचक बात यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा भक्ति के मुनाफे का है। यहां भक्त भगवान को अपना बिजनेस पार्टनर मानते हैं और बाकायदा स्टाम्प पेपर पर पार्टनरशिप डीड करते हैं।

अगर बीते एक महीने की बात करें तो 41.67 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड भेंट जमा हुई है। नकद राशि के साथ-साथ बड़ी मात्रा में सोना और चांदी भी चढ़ावा के रूप में अर्पित किया गया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक भेंट में से एक है। देश-विदेश से आने वाले भक्त लगातार यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है। भक्तों के बीच मान्यता है कि सांवलिया जी यहां सेठ के रूप में विराजमान हैं। यही कारण है कि देशभर के बड़े कारोबारी और शेयर बाजार के खिलाड़ी भगवान को अपना बिजनेस पार्टनर मानते हैं। यहां दान केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि पार्टनरशिप डीड के तहत आता है।

यह जानकर आपको हैरानी होगी कि भक्त यहां बाकायदा स्टाम्प पेपर पर पार्टनरशिप करार बनवाकर लाते हैं। मंदिर में इस तरह के पत्र चढ़ाए जाते हैं- मैं यह साझेदारी करार श्री सांवलिया मंदिर के साथ करता हूं कि मेरे शेयर बाजार और व्यापारिक स्रोतों से होने वाले मुनाफे में 10 फीसदी हिस्से की साझेदारी ठाकुर जी की रहेगी। जब मन्नत पूरी होती है और व्यापार चमकता है, तो भक्त अपनी कंपनी के लेटर हेड पर पूरी जानकारी लिखकर लाखों-करोड़ों की राशि ठाकुर जी के चरणों में समर्पित कर देते हैं।

भक्तों का अटूट विश्वास है कि एक बार अगर सांवलिया सेठ को अपना पार्टनर बना लिया, तो व्यापार कभी घाटे में नहीं जाता। जैसे-जैसे व्यापार बढ़ता है, मंदिर के भंडार में आने वाली प्रॉफिट शेयरिंग भी बढ़ती जाती है। इसी का नतीजा है कि इस वित्तीय वर्ष में चढ़ावे ने 337 करोड़ का जादुई आंकड़ा छू लिया है।

'माँ - अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम' कला प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के विथि संकुल में आयोजित लिखन्दरा आर्ट सोसाइटी की विशेष कला प्रदर्शनी मां- अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम का भव्य उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में मालती राय, महापौर भोपाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथियों में लेखिका डॉ. चित्रा सिंह, वरिष्ठ कलाकार डॉ. सुषमा श्रीवास्तव तथा पद्मश्री चित्रकार भज्जी श्याम की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह प्रदर्शनी 'मां' की उस शाश्वत भावना को समर्पित है, जो केवल एक शब्द नहीं बल्कि स्मृतियों, स्नेह और जीवन की मौन शक्ति का प्रतीक है। प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कलाकृतियों के माध्यम से मातृत्व के विविध आयाम—प्रेम, त्याग, स्नेह, संरक्षण और संघर्ष—को सजीव रूप में अभिव्यक्त किया गया है। प्रदर्शनी की क्यूरेटर एवं लिखन्दरा आर्ट सोसाइटी की संस्थापक डॉ. अंकिता जैन ने अपने क्यूरेटर नोट में बताया कि यह आयोजन उनके लिए अत्यंत भावनात्मक है। अपनी माँ को खोने के व्यक्तिगत अनुभव ने उन्हें इस प्रदर्शनी के माध्यम से एक ऐसा मंच तैयार करने के लिए प्रेरित किया, जहां हर व्यक्ति मातृत्व के इस गहरे संबंध को महसूस कर सके।

70 साल से रह रहे थे 27 परिवार... कार्रवाई से पहले रहवासियों ने घरों में लगा दिए ताले

मानस भवन इलाके से बस्ती हटाने पुलिस ने की बैरिकेडिंग, वॉटर कैनन तैनात

कार्रवाई के विरोध में देर रात पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी धरने पर बैठे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित मानस भवन की बस्ती हटाने की कार्रवाई आज सुबह से शुरू हो गई। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर बैरिकेडिंग कर दी है और आवाजाही रोक दी गई है। कार्रवाई के विरोध में देर रात पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी सहित कांग्रेस नेता धरने पर बैठे। एक युवक टावर पर चढ़ गया, जिसे पुलिस ने समझाकर उतार लिया। रहवासियों ने घरों में ताला लगाकर सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस को सौंपी है। यहां 27 परिवारों को हटाकर भौंरी, कलखेड़ा और मालीखेड़ी में शिफ्ट किया जाना है। करीब 70 साल पुरानी इस बस्ती को हटाने के लिए 95 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के चलते पॉलिटेक्निक चौराहा से सीएम हाउस जाने वाले मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पूरे रास्ते पर सख्त बैरिकेडिंग की गई है, जिससे किसी भी मीडिया कर्मी या आम नागरिक को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच पुलिस पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। संभावित विरोध को देखते हुए वॉटर कैनन भी मौके पर बुला लिए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। झुग्गी में रहने वाले लोग रात में ही अपने घरों पर ताला लगाकर चले गए थे। अब पुलिस उन्हें वापस मौके पर लेकर आई है, ताकि उनके सामने ताले खुलवाए जा सकें और आगे की कार्रवाई की जा सके।

बैरिकेडिंग पर पुलिस रोक रही, रास्ते बंद होने से लोग परेशान

बस्ती की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर बैरिकेडिंग कर दी है। किसी भी बाहरी व्यक्ति या वाहन को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है, जिससे इलाके में आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। पन्ना से आए बुजुर्ग, जो किसी मामले को लेकर सीएम और महिला आयोग के पास जा रहे थे, उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग पर रोक लिया और आगे नहीं जाने दे रही है। झुग्गियों में रहने वाले जिन लोगों को पुलिस अंदर ले जा रही है, उनकी सख्त तलाशी ली जा रही है। उनके बैग और सामान की भी जांच की जा रही है, ताकि कोई मोबाइल या अन्य उपकरण अंदर न ले जाया जा सके। मानस भवन बस्ती पर कार्रवाई के चलते दोनों ओर के रास्ते बंद हैं, जिससे बाल भवन जाने वाले लोग भटक रहे हैं। बैरिकेडिंग के कारण पहुंच मार्ग पूरी तरह ब्लॉक है, जिससे आम जनता और बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर रास्ता रोका है।

युवती बोली- घर तोड़ दिया, हमारी डिग्री नीचे दब गई

बस्ती में रहने वाली एक लड़की ने कहा कि हमारे मम्मी-पापा ने बर्तन धोकर सामान बनाया है, लेकिन सामान निकालने नहीं दिया गया। रोते हुए उसने कहा, मैं सीआईएसएफ में हूं। हमारे भाई लोग स्पोर्ट्स में हैं। हमारी सारी डिग्री बर्बाद हो गई हैं। घर तोड़ दिया गया और डिग्री नीचे दब गई हैं। अब हम क्या करेंगे। वहीं बस्ती में रहने वाली काजल यादव का कहना है कि हमारा कीमती सामान रखा हुआ है। अंदर कम से कम वो लेकर जाने दीजिए। 11 बजे तक का समय दिया गया था हम लोगों को।

कांग्रेस नेता बोले- 70 साल से आदिवासी रह रहे, कार्रवाई गलत

वार्ड 24 के कांग्रेस अध्यक्ष शोएब खान ने कहा कि कल रात प्रशासन से चर्चा हुई थी। यहां आदिवासियों के मकानों पर ताले लगे हैं और अंदर उनका सामान रखा है। ऐसे में बिना व्यवस्था किए कार्रवाई करना उचित नहीं है और इसे रोका जाना चाहिए। कार्रवाई के विरोध में मौके पर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, शबिस्ता जकी पहुंचे हैं। उनका कहना है कि मामला सुप्रीम कोर्ट लेकर जाएंगे।

नीट परीक्षा को लेकर मेडिकल छात्रों का अवकाश निरस्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नीट यूजी-2026 परीक्षा को लेकर गांधी चिकित्सा महाविद्यालय ने आदेश जारी कर कहा है कि 2 और 3 मई को किसी भी मेडिकल छात्र को छुट्टी नहीं दी जाएगी। कॉलेज प्रशासन ने इसे परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जरूरी बताया है। डीन कार्यालय से विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि 2 और 3 मई को किसी भी छात्र-छात्रा का अवकाश स्वीकृत न किया जाए। यह निर्देश नेशनल मेडिकल कमीशन और भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के आदेशों के पालन में जारी किया गया है। कॉलेज प्रशासन ने कहा कि परीक्षा के दौरान मेडिकल छात्रों की उपस्थिति जरूरी है, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

दो दिवसीय 'पारिवारिक सिंधी मेले' का आगाज आज से होगा

नारी शक्ति वंदन को समर्पित होगा पहला दिन

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेले की शुरुआत दो मई से होगी। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि यह आयोजन इस वर्ष 29वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। मेले का उद्देश्य सिंधी संस्कृति को सहेजने के साथ-साथ समाज को एक नई दिशा देना है। इस वर्ष के मेले की सबसे बड़ी विशेषता इसकी थीम है। मेले का प्रथम दिन पूरी तरह से नारी शक्ति वंदन को समर्पित किया गया है। मनीष दरयानी के अनुसार, आज महिलाएं केवल घर-परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इसी विचारधारा को सम्मान देते हुए मेले के संचालन और प्रमुख व्यवस्थाओं में महिलाओं का सक्रिय नेतृत्व और उपस्थिति मुख्य आकर्षण होगी।

धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: मेले का शुभारंभ सिंधी परंपरा के अनुसार भगवान झूलेलाल जी के बहिराने साहिब की ज्योत प्रज्वलित कर और पारंपरिक सिंधी छेज के साथ किया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या को यादगार बनाने के लिए मुंबई के प्रसिद्ध कलाकार रॉक स्टार नील और करण खेमानी अपनी टीम के साथ सुरीली और जोश भरी प्रस्तुतियां देंगे। मेले में बच्चों के लिए आकर्षक झूले और फन जोन, सिंधी फन क्विज, विभिन्न गेम्स और ढेरों पुरस्कार और पारंपरिक और लजीज सिंधी व्यंजनों के स्टॉल्स होंगे।

इटारसी रुककर प्रतिदिन चलेगी एलटीटी-अयोध्या साप्ताहिक अमृत भारत ट्रेन

5 मई से एलटीटी व 6 मई से अयोध्या से चलेगी ट्रेन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय रेलवे ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए आम आदमी के लिए आधुनिक तकनीक की डिज़ाइन की गई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू किया है, जोकि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र को जोड़ेगी। इस कड़ी में

5 वीं अमृत भारत एक्सप्रेस 5 मई से रोज एलटीटी और 6 मई से अयोध्या कैंट होकर चलेगी, जोकि इटारसी हाल्ट लेकर गंतव्य को जाएगी। पमरे के जनसपंर्क अधिकारी नवल अग्रवाल ने बताया कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन आराम, सुविधा और किफ़ायती यात्रा का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करती है, जो देश में समावेशी और सुलभ रेल यात्रा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन में 08 शयनयान श्रेणी, 11 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी, 1 पेंट्रीकार के कोच सहित कुल 22 कोच होंगे। इस ट्रेन के लिए आरक्षण शुरू हो गया है।

राजधानी के कई इलाकों में जलसंकट गहराया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गर्मी के मौसम में पहले से ही पानी की किल्लत झेल रहे शहरवासियों की परेशानी उस समय और बढ़ गई, जब कोलार फिल्टर प्लांट की बिजली सप्लाई ठप हो गई। गुरुवार को आई तकनीकी बाधा का असर शुक्रवार सुबह भी देखने को मिला और शहर के कई इलाकों में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी।जानकारी के अनुसार, बिजली सप्लाई बाधित होने से पानी का शोधन और वितरण प्रभावित हुआ, जिसके चलते कोलार लाइन से जुड़े क्षेत्रों में जलप्रदाय पूरी तरह ठप रहा।

इसका सीधा असर हजारों घरों पर पड़ा और लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी के संकट का सामना करना पड़ा।

बताया जाता है कि बरखेड़ीकला, नया शबरी नगर, एजी कॉलोनी, राजीव नगर बस्ती, पंपापुर, शिवाजी नगर, तुलसी नगर, अरेरा कॉलोनी, एमआईजी एलआईजी क्वार्टर, निशातपुरा, न्यू आरिफ नगर, पटेल नगर, संगम टॉकीज, इब्राहिमगंज, कबाड़खाना, छोला विश्रामघाट, चौकसे नगर, रंभा नगर, कांजी कैंप रोड सहित कई अन्य क्षेत्र प्रभावित रहे। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि लाइन से पानी तो दिया जा रहा है, लेकिन बहुत कम समय के लिए, जिससे बस्तियों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। लोगों ने नियमित और पर्याप्त जलप्रदाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

हालांकि राजीव नगर बस्ती, बारह दफ्तर झुग्गी और तुलसी नगर—में नर्मदा लाइन के जरिए सीमित समय के लिए पानी पहुंचाया गया। इसके अलावा प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार टैंकरों से भी जल आपूर्ति की गयी। लेकिन कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां पहले भी पानी सप्लाई को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। उल्लेखनीय है कि आरिफ नगर में कुछ दिन पहले ही लोग पानी के टैंकर का इंतजार करते नजर आए थे, जिससे व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मेट्रो एंकर

50 से 80 रुपये महंगे दामों पर बेच रहे

मप्र में बीयर संकट का फायदा उठा रहे शराब माफिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में बीयर का सीमित स्टॉक है। प्रीमियम ब्रांड की बीयर ही नहीं मिल रही है। इसका लाभ उठाते हुए शराब विक्रेता दुकानों पर 50 से 80 रुपये महंगी बीयर बेच रहे हैं। शराब के प्रीमियम ब्रांड का भी यही हाल है। यह भी एमएसपी और एमआरपी से अधिक दामों पर बेची जा रही है। राजधानी भोपाल में ही शराब ठेकेदारों की मनमर्जी चल रही है। यहां एमपी नगर, आइएसबीटी, पांच नंबर शिवाजी नगर और चूनाभट्ठी शराब दुकानों पर अधिक मूल्य में शराब बेची जा रही है।

हालांकि राज्य आबकारी आयुक्त ने दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा करने के निर्देश दिए हैं। पहले भी इस तरह से निर्देश जारी किए गए, लेकिन आबकारी अधिकारी इसका पालन ही नहीं करा पाए। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत का प्रविधान है लेकिन बिना निराकरण के शिकायत बंद कर दी जाती है। मध्य प्रदेश में बीयर के बढ़ते संकट को देखते हुए आबकारी मुख्यालय ने पहले ही अन्य राज्यों में बीयर के

निर्यात पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही प्रदेश में नई शराब दुकानों के संचालन के शुरुआती माह में ही सप्लाई और बिलिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रीष्म ऋतु में बीयर सीजन का पीक पीरियड होता है। लेकिन दुकानों पर बीयर और प्रीमियम ब्रांड्स उपलब्ध नहीं है। इधर, सोम डिस्टलरी गड़बड़ी के आरोपों के बाद बंद पड़ी है। प्रदेश में 40 से 50 प्रतिशत बीयर की पूर्ति सोम ही करता है। इससे भी बीयर की सप्लाई प्रभावित हुई है। भोपाल संभाग के आबकारी सहायक आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ का कहना है कि भोपाल ही नहीं पूरे प्रदेश की ही यही स्थिति है। सारे ब्रांड दुकानों पर नहीं मिलेंगे। इसकी समय पर पर्याप्त पूर्ति की जा सके इसके प्रयास हम लगातार कर रहे हैं। यह बात भी सही है कि सीमित स्टॉक का शराब विक्रेता लाभ उठा रहे है।

नियमानुसार दंडनीय

एमएसपी से कम और एमआरपी से अधिक दामों पर शराब बेचना नियमानुसार दंडनीय है। हमने निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता की सुविधा के लिए दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा कर शराब का वास्तविक मूल्य प्रदर्शित किया जाए। जहां अधिक मूल्य पर शराब विक्रय की शिकायतें मिल रही है कार्रवाई की जा रही है।

-दीपक सक्सेना, आयुक्त, मप्र आबकारी।

बोरवन पार्क में कल लगेगा निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

वीना कला एवं सेवा समिति द्वारा कल रविवार को निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर बोरवन पार्क में सुबह 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे।

समिति के अध्यक्ष राकेश शेवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कैंप में संतनगर सिविल अस्पताल की एमडी डॉ. प्रीति मोतियानी अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान करेंगी। शिविर में गठिया, अर्थराइटिस, स्त्री रोग, डायबिटीज, थायराइड, ब्लड प्रेशर, हृदय एवं किडनी रोग, मोटापा, दमा रोग, टीबी, माइग्रेन, लकवा और मिर्गी जैसे गंभीर रोगों के लिए विशेषज्ञ परामर्श दिया जाएगा। शिविर के दौरान मरीजों की थायराइड, मधुमेह, हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड की जांचें निःशुल्क होंगी। इसके साथ ही, कैंप में परामर्श के बाद लिखी गई दवाइयों पर श्री संत मेडिकल की ओर से मरीजों को 20त्न की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। शेवानी ने कहा कई तरह की जांचें खाली पेट होती हैं, इसलिए खाली पेट आने की सलाह दी जा रही है।

न्यूज विंडो

जल स्रोतों के गहरीकरण और सफाई में करें सहयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज से जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जल ही जीवन का आधार है। भारतीय संस्कृति में जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और उनके संरक्षण को पुण्य कार्य मानते हुए धार्मिक महत्व प्रदान किया गया है। कुंओं-बावड़ियों-तालाबों-नदियों जैसे जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जल स्त्रोतों के आस-पास पौध-रोपण से जनसामान्य को जोड़ने के लिए 25 मई गंगा दशहरा पर अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसके लिए सभी गांवों, नगरों के सभी वार्डों में जनसामान्य को सामूहिक श्रमदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण के विजन अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जनांदोलन का रूप ले रहा है। पंचायतों, नगरीय?निकायों सहित सामाजिक, धार्मिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं, स्व-सहायता समूह, व्यापारिक संगठन तथा अन्य सभी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जाएगा। मध्यप्रदेश जल संरक्षण के लिए देश में जनसहभागिता की मिसाल प्रस्तुत करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्सके निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो : सारंग

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बरखेड़ानाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खेल परिसर के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाएं। मंत्री सारंग ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कार्यों में लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। मंत्री सारंग ने निर्देशित किया कि कॉम्पलेक्स के हैण्डओवर और टेकओवर की प्रक्रिया का पूर्ण वेरिफिकेशन किया जाए। बिना तकनीकी सत्यापन के किसी भी संरचना का हैंडओवर नहीं लिया जाए। साथ ही, सभी मरम्मत योग्य कार्यों का विस्तृत फ्लो-चार्ट बनाकर चरणबद्ध मरम्मत योजना तैयार की जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गति बनी रहे। मंत्री सारंग ने निर्देश दिए कि परिसर में पानी, बिजली, स्वच्छता, पार्किंग, आईटी, सर्वर रूम सहित सभी आवश्यक मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ आज

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के अंतर्गत संचालित म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में '24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल)' का आयोजन 2 मई से 15 मई 2026 तक किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के तत्वावधान में आयोजित हो रही है, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में खिलाड़ी सहभागिता कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता में 42 राज्यों, सेना एवं अर्धसैनिक बलों के लगभग 3000 बालक-बालिकाएं, महिला एवं पुरुष खिलाड़ी 10 मीटर एयर राइफल एवं 50 मीटर राइफल स्पर्धाओं के यूथ, जूनियर एवं सीनियर वर्गों में भाग ले रहे हैं। यह आयोजन भारतीय शूटिंग खेल की समृद्ध परंपरा, अनुशासन एवं उत्कृष्टता का प्रतीक है। प्रतियोगिता में देश के ख्यातिप्राप्त ओलंपियन एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी जैसे स्वप्निल कुशाले, ऐश्वर्य प्रताप सिंह, अंजुम मुद्गिल, स्मृति कौर, इला वेनिल सहित कई प्रतिष्ठित निशानेबाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक एवं आकर्षक बनेगा। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के लगभग 40 खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इनमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता ऐश्वर्य प्रताप सिंह विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया है।

प्रदेश सरकार की याचिका स्वीकार

टीईटी की अनिवार्यता पर 13 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, शिक्षकों को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। मोहन सरकार ने इस मामले में पुनर्विचार के लिए सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू याचिका लगाई थी। इसे लेकर सरकार को बड़ी सफलता मिली है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका स्वीकार हो गई है। इसके लिए सुनवाई की तारीख 13 मई को नियत की गई है।

सुनवाई हेतु आदेश दिया

दरअसल, शिक्षक पात्रता परीक्षा से जुड़े प्रकरण में दायर रिव्यू याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई नियत की है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रकरण से संबंधित आवेदनों को स्वीकार करते हुए मामले को ओपन कोर्ट में सुनवाई हेतु सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

विस्तार से रख सकेंगे अपना पक्ष

कोर्ट के आदेशानुसार, इस महत्वपूर्ण प्रकरण की सुनवाई 13 मई को दोपहर 2 बजे नियत की गई है। यह सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति के अधीन होगी। यह निर्णय शिक्षकों के पक्ष को विस्तार से रखने का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, मामले के न्यायिक पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आंदोलन कर चुके हैं शिक्षक

- टीईटी की अनिवार्यता को लेकर एमपी में शिक्षक कर रहे थे प्रदर्शन
- शिक्षकों को लेकर एमपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू याचिका लगाई थी
- सुप्रीम कोर्ट में इस मसले पर 13 मई को सुनवाई होगी
- शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद

महत्वपूर्ण कानूनी पहल

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश शासन ने शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण कानूनी पहल की है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार शिक्षकों के अधिकारों और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रकरण में पूरी मजबूती से अपना पक्ष रखेगी। शासन को विश्वास है कि न्यायालय में प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर शिक्षकों को न्याय मिलेगा।

17 अप्रैल को सरकार ने लगाई थी याचिका

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश शासन ने 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दायर की थी, जिसमें शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करनी जरूरी बताया गया है। इस फैसले के बाद कई कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से उनके आवास पर मुलाकात की थी। संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पैदा हुई स्थितियों की जानकारी उन्हें दी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री यादव ने सभी को आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा था कि शिक्षकों के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कोर्ट की प्रक्रिया में किसी भी शिक्षक के साथ अन्याय न हो। सरकार हर समय शिक्षकों के साथ है।

रिजल्ट आए बीत गए दो महीने, अब तक शुरू नहीं हुई नियुक्ति प्रक्रिया

भोपाल। प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2025 का परिणाम 27 फरवरी को घोषित कर दिया गया था, लेकिन दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। इससे परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों के बीच असंतोष और चिंता का माहौल बन गया है।अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से इस भर्ती का इंतजार कर रहे थे और परिणाम आने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही आगे की प्रक्रिया शुरू होगी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पात्र अभ्यर्थियों का कहना है कि बार-बार देरी होने से उनका मानसिक तनाव बढ़ रहा है।

उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द दस्तावेज सत्यापन की तिथि घोषित की जाए और नियुक्ति प्रक्रिया को गति दी जाए। कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि जल्द कोई निर्णय नहीं लिया गया, तो वे विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।हालांकि स्पेशल डीएलएड अभ्यर्थियों ने न्यायालय में केस लगा दिया है, जबकि विभाग ने दो बार इन आवेदकों को मौका दिया था। बता दें कि 13,089 पद के लिए प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा हुई थी। इसमें 1.03 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें पास अभ्यर्थियों की संख्या पदों से काफी अधिक होती है।

जल्द बनेंगे 2 बायपास और 2 एलिवेटेड रोड, मात्र '45 मिनट' में पहुंचेगे एयरपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी के भोपाल शहर में जल्द ही मंडीदीप के औद्योगिक क्षेत्र से एयरपोर्ट तक केवल 45 मिनट में पहुंचना संभव होगा। अभी ट्रैफिक भरे रास्ते में इसमें तकरीबन एक घंटे का समय लगता है। सरकार एयरपोर्ट से गोविंदपुरा, नर्मदापुरम रोड और मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र तक दो बायपास, दो एलिवेटेड रोड हाईस्पीड सर्कल बनाएगी। धनुषाकार सर्कल एयरपोर्ट का रास्ता ही बदल देगा। इसका फायदा आमजन के साथ उद्योगपतियों को खासतौर पर होगा। उन्हें एयरपोर्ट जाने में तमाम सिग्नल या बाधाओं से नहीं गुजरना होगा। यानी जिले के नेशनल हाईवे अब शहर में उद्योगों की राह आसान बनाएंगे। उधर, अयोध्या बायपास का काम चल ही रहा है। यही से एलिवेटेड लेन एंप्री तक आएगी और वहां से नर्मदापुरम रोड पर मिसरोद तक एलिवेटेड लेने और फिर मिसरोद के पास 11 मिल से पश्चिम बायपास मंडीदीप के पास और इंदौर रोड तक की राह आसान होगी।

ऐसे मिलेगा लाभ

- मंडीदीप से गोविंदपुरा इंडस्ट्री एरिया नर्मदापुरम रोड से एंप्री एलिवेटेड लेन होते हुए रत्नागिरी तिराहा पर जुड़ जाएगा। यानी ये शहर में एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर होगा।
- अयोध्या बायपास रत्नागिरी तिराहा से एलिवेटेड पर होते हुए सीधे नर्मदापुरम रोड व मंडीदीप तक पहुंचेगा। यही रास्ता आगे पश्चिमी बायपास से सीधे इंदौर रोड, नागपुर रोड की ओर निकाल देगा।
- नर्मदापुरम से कोलार, गुलमोहर, शाहपुरा, चूनाभट्टी और सबंधित क्षेत्र ब्रिज के माध्यम से सीधे जुड़े हुए हैं। अब यहां से आनंद नगर बायपास तक सीधे एलिवेटेड निकाला जाता है तो कोलार सीधे आनंद बायपास से जुड़ जाएगा।
- कोलार में पिछली कैबिनेट में दो उद्योग के लिए प्रस्ताव मंजूर हुए। नए बायपास व एलिवेटेड से इसे आगे का रास्ता मिलेगा।
- सीहोर और भोपाल के बीच नए औद्योगिक क्षेत्र की संभावना बनेगी तो मास्टर ह्रश्वलान में तय अयोध्या बायपास में औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण कार्य में भी तेजी आएगी।

अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसान भाइयों ने बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्टॉल बुक हो चुके है। यह एक सकारात्मक संदेश है। स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूँ उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

जीतू बोले-'मोदी गारंटी' पूरी करें सीएम

7 मई को आगरा-मुंबई हाइवे जाम करेगी कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में किसानों की दुर्दशा और गेहूं खरीदी में कथित लापरवाही को लेकर कांग्रेस अब पूरी तरह आक्रामक मोड में आ गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए यह बड़ी घोषणा की है कि आगामी 7 मई को किसानों के हक के लिए बड़वानी से लेकर मुरैना तक पड़ने वाले सभी जिलों में नेशनल हाईवे पर चक्काजाम किया जाएगा। पटवारी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भाजपा सरकार ने मोदी गारंटी के नाम पर किसानों को छला है और अब किसान इस अन्याय पर चुप नहीं बैठेगा।

किसान स्लॉट बुकिंग के लिए हो रहे परेशान

पटवारी ने खरीदी व्यवस्था में भारी प्रशासनिक अराजकता का आरोप लगाते हुए कहा कि गेहूं खरीदी की तारीखें बार-बार बढ़ाकर प्रशासन ने किसानों को परेशान किया। स्लॉट बुकिंग में छोटे और बड़े किसानों के साथ किए गए भेदभाव के कारण लगभग 50 प्रतिशत किसानों को मजबूरी में अपना गेहूं मात्र 2000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर निजी मंडियों में बेचना पड़ा।

पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से पुरजोर मांग की है कि जिन किसानों ने कम दाम पर फसल बेची है, उन्हें तत्काल भावांतर योजना के तहत अंतर की राशि का भुगतान किया जाए।

पुराना नेशनल हाईवे नंबर 3 यानी आगरा-बॉम्बे राष्ट्रीय राजमार्ग मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, ब्यावरा (राजगढ़), सारंगपुर, देवास, इंदौर, ठीकरी, और सेंधवा (बड़वानी) तक जाता है। कांग्रेस एमपी के हिस्से में इसी एनएच पर जाम करेगी।

सीएम किसान हेल्पलाइन की पोल खुली

जीतू पटवारी ने सरकार की वादाखिलाफी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान धान के लिए 3100 रुपए और गेहूं के लिए 2700 रुपए का वादा किया था, लेकिन यह वादा ढाई साल बाद भी अधूरा है। उन्होंने तुलना करते हुए बताया कि पड़ोसी राज्यों में भाजपा सरकारें 2700 रुपए से अधिक दे रही हैं।जबकि मध्य प्रदेश में किसानों को केवल 2625 रुपए देकर भाषणबाजी की जा रही है। उन्होंने खरीदी केंद्रों पर हो रही अनियमितताओं और सीएम हेल्पलाइन की विफलता का हवाला देते हुए प्रशासनिक अमले की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए।

विभागीय पक्ष तत्काल प्रस्तुत कर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र करें पूर्ण: राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की भर्ती प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आवश्यक औपचारिकताओं की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करते हुए भर्ती प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्वीकृत पदों की मांग संबंधित चयन एजेंसी को समय पर भेजी जाए। प्रशासनिक, अंतर्विभागीय समन्वय एवं विधिक विषयों में विभागीय पक्ष तत्काल प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए भर्ती नियमों में आवश्यक संशोधन के प्रस्ताव को सक्षम स्तर से स्वीकृति के लिए प्राथमिकता के आधार पर तैयार किया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं नागरिकों की मूलभूत आवश्यकता हैं। गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आधुनिक अधोसंरचना, उन्नत उपकरणों के साथ-साथ पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण होने से चिकित्सकीय मैनपावर की भर्ती में तेजी आएगी, अतः इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए शीघ्र प्रस्ताव तैयार करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि जिन पदों के लिए परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं, उनके परिणाम शीघ्र घोषित कर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की जाए तथा जिन पदों की परीक्षाएं शेष हैं, उन्हें जल्द आयोजित किया जाए। चयन एजेंसी के साथ सतत समन्वय बनाए रखते हुए पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। बैठक में बताया गया कि बायोमेडिकल इंजीनियर, ऑक्यूपेशनल थेरापिस्ट सहित अन्य 31 पद, मेडिकल सोशल वर्कर, क्लिनिकल साइकियाट्रिस्ट एवं सहायक अस्पताल प्रबंधक के 200 पद, स्टाफ नर्स, कंपाउंडर एवं पैरामेडिकल स्टाफ के 373 पद, नर्सिंग ऑफिसर के 2099 पद, सिस्टर ट्यूटर के 218 पद तथा अस्पताल सहायक के 1200 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन सभी प्रक्रियाओं को आगामी 2 माह के भीतर पूर्ण कर शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन एवं अध्यक्ष कर्मचारी चयन मंडल संजय कुमार शुक्ल, आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस सहित विभाग एवं कर्मचारी चयन मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

प्रदेश के कान्हा टाइगर में मंडरा रहा एक भयानक जैविक खतरा

अज्ञात वायरस का कहर: नौ दिनों में बाघिन और 4 शावकों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के कान्हा टाइगर में एक भयानक जैविक खतरा मंडरा रहा है। नौ दिनों के भीतर यहां एक बाघिन और उसके चारों शावकों की सिर्फ नौ दिनों के अंदर मौत हो गई है। इस घटना से भारत के वन्यजीव जगत में हड़कंप मच गया है। साथ ही टाइगर स्टेट में एक संभावित जानलेवा वायरल संक्रमण फैलने का डर पैदा कर दिया है।

बाघिन के पूरे कुनबे की मौत

दरअसल, कान्हा की सरही रेंज की बाघिन टी-141 और उसके पूरे कुनबे की मौत की अब गहन फॉरेंसिक जांच की जा रही है। शुरुआती जांत में पता चला है कि इसका कारण अत्याधिक संक्रामक कैनिन डिस्टेंपर वायरस हो सकता है।

घटना ने वन अधिकारियों को झकझोर दिया

इस घटना ने कान्हा प्रबंधन को हिला दिया है। 21 अप्रैल को पहला शावक अमाही नाले के पास मृत मिया। 24 अप्रैल को दूसरे शावक का शव मिला, जिसका शरीर आंशिक रूप से सड़ चुका था। वह इटावारे नाले से मिला था। 26 अप्रैल को तीसरे शावक का शव मिला है। वहीं, 27 अप्रैल को वन टीमों को आखिरकार बीमार दिख रही बाघिन टी-141 और उसके एकमात्र जीवित शावक को बचा लिया। उन्हें मुक्की के क्वारंटाइन सेंटर में भेज दिया।

कैनिन डिस्टेंपर वायरस के शिकार हुए

वहीं, जबलपुर वन्यजीव फॉरेंसिक प्रणाली से जुड़े सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पांचों जानवर गंभीर श्वसन संकट, विशेष रूप से फेफड़ों से जुड़ी गंभीर जटिलताओं से पीड़ित थे। शुरुआती जांच में इनके फेफड़ों में गंभीर परेशानी मिली है। इस बात की संभावना है कि इन्हें अत्याधिक संक्रामक और जानलेवा वायरल संक्रमण कैनिन डिस्टेंपर हुआ हो।

घातक है यह वायरस

वहीं, कैनिन डिस्टेंपर वायरस आमतौर पर जंगली जानवरों के लिए घातक माना जाता है। यह उनके श्वसन, पाचन और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। आमतौर पर यह पालतू कुत्तों से जंगलों प्रजातियों में फैलता है।शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जानवरों के पेट खाली पाए गए और फेफड़ों में गंभीर संक्रमण मिला है। ये कैनिन डिस्टेंपर के होने के संदेह को और पुख्ता करते हैं।

मंगलवार की रात बाघिन और उसके शावक की मौत

इलाज शुरू होने पर उम्मीद की किरण दिखी। 28 अप्रैल को बाघिन और उसके शावक में सुधार के लक्षण दिखे। दोनों ने खाना-पीना शुरू कर दिया। लेकिन यह बेहद कम समय के लिए रहा। मंगलवार की रात दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बाघिन टी-141 की मौत बुधवार सुबह हो गई। साथ ही उसी शाम को उसके शावक की मौत हो गई। नौ दिनों में बाघ का पूरा परिवार खत्म हो गया।वन अधिकारी ने बताया कि पशु चिकित्सकों और वन्यजीव फॉरेसिंक विशेषज्ञों के द्वारा गहन जांच की जा रही है। तीसरे शावक के शव को विस्तृत जांच के लिए जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेसिंक एंड हेल्थ में पहले ही भेजा जा चुका है।

भूख से मौत को किया खारिज

कान्हा के अधिकारियों ने इस थ्योरी को खारिज कर दिया है। साथ ही कहा कि इस समय कान्हा टाइगर रिजर्व में 120 से ज्यादा अर्ध व्यस्क और व्यस्क बाघ और 40 से ज्यादा शावक मौजूद हैं। ये अपना शिकार कर पेट भर रहे हैं। अगर यहां शिकार की कमी होती तो बाघों को भूखा रहना पड़ रहा होता तो फिर उन्हें वैसी ही स्वास्थ्य समस्याएं क्यों नहीं हुईं।

इंदौर कलेक्टर की सख्ती: एसडीएम को नोटिस,7 दिन में जवाब तलब

इंदौर। कनाड़िया क्षेत्र में जमीन से जुड़े एक मामले में प्रशासनिक लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है, जहां आम जनता के अधिकारों से सीधे जुड़े नियमों को नजरअंदाज कर दिया गया। इस गंभीर चूक पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्कालीन एसडीएम ओमनारायण बड़कल (डिप्टी कलेक्टर) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और सात दिन के भीतर जवाब मांगा है।पूरा मामला ग्राम अरंडिया की भूमि से जुड़ा है, जहां खसरे और नक्शे में त्रुटि सुधार का मामला सामने आया था। जांच में खुलासा हुआ कि यह गलती 5 साल से ज्यादा पुरानी थी, ऐसे मामलों में सीधे कार्रवाई करने के बजाय कलेक्टर की अनुमति लेना अनिवार्य होता है। लेकिन नियमों को ताक पर रखकर एसडीएम ने बिना अनुमति ही 23 जनवरी 2026 को नक्शा संशोधन का आदेश जारी कर दिया।

बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति

हाल के वर्षों में आम भारतीय की अभिव्यक्ति में तल्खी व शोर का ग्राफ तेज हुआ है। अभिव्यक्ति का मुखर होना अच्छा है लेकिन उसका तल्ख होना, किसी की भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैसे हमारे परिवेश में लगातार बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति हो चला है। सड़कों पर वाहनों के शोर, नये दौर के कर्कश संगीत से लेकर राजनीतिक विमर्श में होने वाले शोरगुल वाले संवाद से लेकर तमाम ऐसा कुछ घट रहा है, जो हमारी परेशानी का सबब बन रहा है। यूं तो कोई प्रमाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक-ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे-बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। यह सुखद है कि पिछले दिनों देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दिशा में नई पहल शुरू की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया आरंभ की है। दावा किया जा रहा है कि प्रदूषण के स्रोतों की कायदे से निगरानी होगी। इसके अलावा समयबद्ध ढंग से कार्रवाई होगी। साथ ही जुर्माना भी अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि अच्छी योजना कितनी जमीनी हकीकत बनती है।

लेकिन सवाल यह है कि जब देश में पहले से शोर नियंत्रण के कानून मौजूद हैं और हमारी अदालतें भी समय-समय पर हमारे नीति नियंताओं को आगाह करती ही रहती हैं, तो फिर सूरत क्यों नहीं बदलती। आखिर इन नियम-कानूनों के क्रियान्वयन में कहां खोट रह जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम, 2000 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों, निर्माण कार्यों और उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों, वाहनों के हार्न आदि अन्य स्रोतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया था। ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हो पाए। उल्लेखनीय है कि ये प्रावधान दिन व रात के लिये अलग-अलग हैं। जिसके अंतर्गत रात के दस बजे से लेकर सुबह छह बजे के मध्य लाउडस्पीकर लगाना मना है। यदि अपरिहार्य कारणों से कुछ अधिक समय के लिये इसका उपयोग किया भी जाना है तो संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन कानूनों का जमकर उल्लंघन करना शान समझा जाता है। जाहिर बात है कि जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी और रोकने के लिये होती है वे अपने दायित्वों को भलीभांति निर्वहन नहीं करते हैं। सख्ती के अभाव में लोग इसे न्यू नॉर्मल बना देते हैं। वास्तव में गैर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि वे फिर भी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करते तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

देवर्षि नारद जयंती पर विशेष

ब्रह्माण्ड के पहले संदेशवाहक , देवताओं के दिव्य दूत और संचार साधक देवर्षि नारद

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

नारद मुनि की छवि इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दी गयी है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना परिलक्षित होता है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे।

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्या में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचा कर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी का सभी लोकों की जानकारी रखने वाले मेधावी नीतिज्ञ तथा प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है।

जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत आहत हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि ऐसा नहीं है, जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। हालांकि उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा उन्होंने क्या देख लिया, जिसके आधार पर वे ऐसा कह रहे हैं?

तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़ कर दलदल लांघ कर निकल गया, उसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौन-सा न्याय है?

देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात् भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ मोहरें ही मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी-सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है।

सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ 'नारद संहिता' भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

श्रम को आदर और सम्मान की संस्कृति से ही पूरा होगा विकसित भारत का स्वप्न

गिरीश्वर मिश्र
महात्मा गांधी हिन्दी विवि के पूर्व कुलपति

श्रम और उत्पादकता के मध्य अनिवार्य रिश्ते के चलते श्रम पर वर्चस्व स्थापित करने और अपने हित में करने की जद्दोजहद लम्बे समय से चलती चली आ रही है। दास, दस्यु, भृत्य, बेगार और मज़दूर के रूप में समाज के कुछ हिस्से पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंचित और उपेक्षित बने रहे। श्रमिक की स्थिति जाति की औक़ात से जुड़ गई। उनकी आर्थिक विपन्नता और निम्न सामाजिक स्थिति जगज़ाहिर है। उनका शोषण सदियों से होता चला आ रहा है। उनके साथ भेदभाव और पूर्वाग्रह का प्रमुख आधार अस्पृश्यता है जो सामाजिक दूरी को सुदृढ़ करती है।

समय के साथ इसके सामाजिक-राजनैतिक निहितार्थ जटिल होते गए हैं जिसका परिणाम आरक्षण नीति और उसे लागू करने में दिखते हैं। उनको निम्न स्तर के काम सौंप कर और फिर उस काम को 'हीन' कह कर उनसे दूरी बनाई गई। पीढ़ी-दर-पीढ़ी पीछे धकेले जाते रहने से जीवन शैली, विश्वास और परम्पराओं का भी भिन्न रूप बनता गया। एक ही समाज के अंग होने पर भी प्रभुत्व पर टिका सामाजिक स्तरीकरण 'अन्नदाता' (प्रभु) और 'सेवक' (आश्रित) की कोटियों को लेकर जाति-भेद की जड़ों को मज़बूत करता रहा। मानव अधिकार की पात्रता भी इसी से जुड़ गई। कर्म और कर्तव्य के नैसर्गिक आदर्श को भुलाते हुए श्रम का आशय बदलता रहा है। बहुतों की नज़र में काम न करना या कम काम करना या दूसरों (अधीनस्थ लोगों) द्वारा काम कराना इज्जत से जुड़ गया। 'काम करना' हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। काम करने वाले के ऊपर जुल्म ढाना एक स्वीकृत रिवाज हो गया। समाज के अंतिम जन को लेकर 'अस्पृश्य' और 'अंत्यज' की कोटियाँ बना दी गई।

आज भारत में अनुमानतः कुल श्रमिकों में से लगभग 93 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र से आते हैं। उनके लिए न्यूनतम वेतन की सुरक्षा दे पाना आज भी बड़ी चुनौती है। उदाहरणार्थ कृषि कर्मियों को भी समुचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। ऐसे ही फ़ैक्ट्री या खदान के दमघोंटू ख़राब वातावरण में काम की अस्वास्थ्यकर दशाओं को सुधारना असंभव ही लगता है। सीवर में नीचे पैठ जाने कितने श्रमिक प्रतिवर्ष जान से हाथ धो बैठते हैं। बड़े पैमाने पर होने वाली घटनाएँ भी प्रभावित करती हैं। उदाहरणार्थ कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन हुआ। उसके चलते विस्थापन और नौकरी गँवाने की बड़ी घटनाएँ हुई। इनका सीधा असर गरीब जनता और दिहाड़ी मज़दूरों पर पड़ा।

यह याद रखना होगा कि श्रम उत्पादन की शक्ति है जो ऐसे कार्य को द्योतित करती है जो लोग वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए करते हैं। श्रम में सभी मानवीय गतिविधियाँ (शारीरिक और मानसिक प्रयास) सम्मिलित होती हैं जो किसी उत्पाद या सेवा को समृद्ध कर मूल्यवान बनाती हैं। श्रमिक या मज़दूर समाज के ऐसे विशिष्ट समूह कहे जा सकते हैं जो इसमें संलग्न होते हैं। इस सोच में श्रम भी विक्रय की वस्तु (कमोडिटी) हो गया और श्रम की ख़रीद-फ़रोख़्त हो रही है। श्रम या कार्य-बल (लेबर फ़ोर्स) उत्पादन का एक सक्रिय और अनिवार्य साधन है। श्रम काम का माप होता है और इसमें वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में किया जाने वाला सभी प्रकार का कार्य शामिल होता है।

विभिन्न प्रकार के उद्योगों और व्यवसायों का मूल आधार श्रम ही है। श्रमिक नौकरियों के लिए और नियोक्ता श्रमिकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। श्रम-सेवाओं की माँग और आपूर्ति किसी भी समय काम की मात्रा, उपलब्ध श्रमिकों की संख्या, श्रमिकों द्वारा मज़दूरी का स्वीकार्य स्तर को देखते हुए घटती-बढ़ती है। श्रम के लिए अनेक क़ानून बनाए गए हैं जो न्यूनतम मज़दूरी और उनके हितों की रक्षा के लिए हैं। इसकी देखरेख के लिए श्रम मंत्रालय और उसके अधीन व्यवस्थाएँ बनी हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) वैश्विक स्तर पर श्रम से जुड़े नीतिगत प्रश्नों के समाधान के लिए उद्यत रहता है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति के लिए साल 2020 में क़ानून बना था जो श्रमिक, रोज़गार देने वालों और ट्रेड यूनियन के बीच का रिश्ता निर्धारित करता है। काम के घंटे, उपस्थिति, शर्तें, छुट्टी, अधिकार और देनदारी (बीमारी और दुर्घटना आदि) को ध्यान में रख सुरक्षा हेतु व्यवस्थाएँ दी गई हैं।

साल 2022 में जारी न्यूनतम वेतन अधिसूचना के अनुसार अर्धकुशल श्रमिक का वेतन 10,687 रुपये और कुशल श्रमिक का वेतन 11, 584 रुपये तय हुआ था। साल 2023 में दिहाड़ी मज़दूर का पारिश्रमिक 385 रूपये प्रतिदिन निश्चित हुआ था। निर्माण से जुड़े उद्योग श्रम-प्रधान होते हैं जिनमें हाथ और औजारों का उपयोग मुख्य होता है। सेवा-उद्योग भी होते हैं जो मुख्यतः आतिथ्य और निजी देख-भाल से जुड़े होते हैं। भारत में अब श्रमिकों को न्यूनतम मज़दूरी का अधिकार मिल गया है। अनुमान है कि संगठित और असंगठित श्रमिक की जनसंख्या पचास करोड़ से ज़्यादा हैं। बाल श्रम और बंधुआ मज़दूरी का उन्मूलन अभी भी शेष है।

भारतीय संविधान की दृष्टि में सभी श्रमिक एक समान हैं और किसी के विरुद्ध लैंगिक और जातिगत भेदभाव नहीं होना चाहिए। रोज़गार के लिए समान अवसर सबका अधिकार है। जबरन श्रम कराना निषिद्ध है और बाल श्रम पर रोक लगाई गई है। काम करने का अधिकार सक्रिय है और राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम भी लागू है। अभी भी देश में लाखों लोग बेरोज़गार हैं और निम्न गुणवत्ता की नौकरियों में फँसे हुए हैं। देश के विकास को गति देने के लिए ज़रूरी है कि कार्यबल में शामिल होने के लिए नए प्रवेशकों को अवसर दिए जाय। श्रम का आदर और सम्मान देने की संस्कृति अपनाकर ही विकसित भारत का स्वप्न पूरा हो सकेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

इस मौसम में पेट को ठंडक देने वाले बीजों का सेवन रखेगा सेहतमंद

गर्मियों में अक्सर शरीर में गर्मी बढ़ जाती है। इसे मेंटेन रखने में सीड्स यानी बीज सुपरफूड का काम करते हैं। हाई फाइबर और पानी को सोखने वाले गुण के कारण सब्जा, तरबूज, सौंफ, खीरे के बीज और चिया सीड्स शरीर को हाइड्रेटेड और ठंडा रखते हैं। गर्मियों में इन्हें डाइट में शामिल करके पेट की गर्मी, एसिडिटी, और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। सीड्स पाचन सुधारते हैं और वजन कंट्रोल में रखते हैं। सब्जा, तरबूज, सौंफ, खीरे के बीज और चिया सीड्स आकार में छोटे, लेकिन पोषक तत्वों से भरपूर हैं। ये प्राकृतिक रूप से शरीर की गर्मी को कम करने, मिनरल्स की पूर्ति करने, पाचन में सहायक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

चिया सीड्स: चिया सीड्स अपने वजन से दस गुना तक पानी सोख लेते हैं, जिससे एक हाइड्रोजेल बनता है जो शरीर में धीरे-धीरे नमी छोड़ता है। यही कारण है कि गर्मियों में शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए चिया सीड्स बेहतरीन विकल्प हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चिया सीड्स गर्मी से कोशिकाओं पर पड़ने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ते हैं। इनके सूजन-रोधी गुण गर्मी से होने वाली त्वचा की समस्याओं और थकान को रोकने में मदद करते हैं।

सौंफ के बीज: आयुर्वेद में सौंफ के बीजों का उपयोग शरीर के अग्नि तत्व पित्त को शांत करने के लिए सदियों से किया जाता रहा है। इनमें प्राकृतिक शीतलता, ऐंठनरोधी और पाचन गुण होते हैं। सुबह एक गिलास ठंडा सौंफ का पानी पीने से शरीर की गर्मी, सूजन और गैस में काफी कमी आ सकती है। सौंफ के बीज मूत्रवर्धक भी होते हैं, जो किडनी के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। जिन लोगों को गर्मी से अपच या मतली की तकलीफ रहती है उन्हें सौंफ के बीजों का सेवन करना चाहिए।

खीरे के बीज: खीरे के अंदर के बीज एक अनमोल रत्न हैं। पानी और सिलिका की भरपूर मात्रा के कारण ये शरीर में पानी की कमी को पूरा करने और कोलेजन को बनाए रखने में सहायक होते हैं। यूनानी चिकित्सा में, खीरे के बीज सबसे ठंडे फूड आइटम में गिने जाते हैं। गर्मियों में खीरे का रायता खाने से आंतों को गहराई से नमी मिलती है और ठंडक पहुंचती है। ये बीज किडनी के लिए भी फायदेमंद हैं। यूरिन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोगों को गर्मियों में खीरे के बीज का सेवन करना चाहिए।

सब्जा के बीज: सब्जा के बीज को तुकमारिया भी कहा जाता है। पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति में इनका उपयोग शरीर को शीतलता प्रदान करने के लिए किया जाता है। पानी में भिगोने पर ये बीज फूल जाते हैं और एक जेल जैसी परत बना लेते हैं जो घुलनशील फाइबर से भरपूर होती है। यह जेल पेट की अंदरूनी परत को ठंडा करने, शरीर की गर्मी कम करने और शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करता है।

तरबूज के बीज: ज्यादातर लोग तरबूज खाते समय इसके बीज फेंक देते हैं, लेकिन ये बीज पौष्टिकता से भरपूर होते हैं। तरबूज के बीज मैग्नीशियम, जिंक और सिट्रुलिन से भरपूर होते हैं।

निशाना

जनहित से जुड़ा अख़बार है..!

महेश अग्रवाल

हम जिसे कहते थे जनहित से जुड़ा अखबार है।
आज तो वो भी हुकूमत का सिपहसालार है।
सच बयानी के लिए है हौसले जिसके बुलंद,
उसके शब्दों की कटारी में गजब की धार है।
अपनी खाली जेब में मजबूरियां बैठी मिलीं,
उनकी जेबों में समा जाता बड़ा बाजार है।
तुम समुंदर हो कुआं दरिया सरोवर झील हो,
हर जलाशय सिर्फ नन्ही बूंद का विस्तार है।
उसके हिस्से की वसीयत में उसे साहिल मिला,
इसके हिस्से की वसीयतमें लिखा मझधार है।
उम्र भर हम जिंदगी इस पार ही खोजा किये,
पर ठिकाना जिंदगी का तो वहां उस पार है।
सोच में रखते हैं हम उम्मीद का आंगन बड़ा,
सोच में उनके निराशा की बड़ी दीवार है।
यूं सियासत में उसे ही स्वस्थ कह देते हैं सब,
मुद्दतों से जो व्यवस्था अनवरत बीमार है।

टेक्नो अपडेट

यूटा यूनिवर्सिटी का प्रयोग, एआई और परमाणु शक्ति के मिलन की शुरुआत

एआई को चलाने में लगने वाली पावर को देख दुनिया सोचने पर मजबूर है कि इसे चलाने के लिए बिजली कहां से आएगी? इस सवाल का जवाब ढूंढने की कोशिश यूटा यूनिवर्सिटी ने एक प्रयोग के जरिए की है। दरअसल वे अपने 50 साल पुराने TRIGA परमाणु रिएक्टर का इस्तेमाल पहली बार बिजली पैदा करने के लिए करेंगे। यह बिजली किसी शहर को नहीं, बल्कि एक छोटे AI डेटा सेंटर को चलाएगी। इससे साफ होगा कि क्या परमाणु ऊर्जा से निकली गर्मी को सीधे कंप्यूटर की ताकत में बदला जा सकता है? ऐसे में देखा जाए, तो यह AI और परमाणु शक्ति के मिलन की शुरुआत हो सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक आम परमाणु रिएक्टर अपनी गर्मी को ठंडा करके बर्बाद कर देता है। अपने प्रयोग में वैज्ञानिकों ने इस गर्मी को बिजली में बदलने की कोशिश की है। इसके लिए ब्रेयटन साइकिल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें पानी से भाप बनाने की जगह, हीलियम गैस का इस्तेमाल किया जाता है, जो टरबाइन घुमाकर बिजली पैदा करती है। यह पूरा सिस्टम एक आम भाप टरबाइन के मुकाबले बहुत छोटा होता है। फिलहाल, यह सिस्टम 2 से 3 किलोवाट बिजली पैदा करेगा, जो एक हाई-परफॉर्मेंस GPU यानी कि AI के दिमाग को चलाने के लिए काफी है।

माइक्रो-रिएक्टर की तैयारी?: यह कोई छोटा प्रयोग नहीं क्योंकि इस पर 12 विश्वविद्यालयों के छात्रों और शोधकर्ताओं का दल काम कर रहा है। एलिमेंटल न्यूक्लियर एनर्जी इस प्रोजेक्ट को एक ग्लोबल नेटवर्क की तरह देखती है। उनका मानना है कि दुनिया भर में मौजूद TRIG रिएक्टरों का इस्तेमाल करके हम अगली पीढ़ी की न्यूक्लियर तकनीक को तेजी से विकसित कर सकते हैं। इस प्रयोग से मिलने वाला डेटा उन्हें डेटा इकट्ठा करने और सिस्टम को सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। कंपनी का मकसद 2030-2031 तक काम करने वाले माइक्रो-रिएक्टर बनाना है, जो उद्योगों और डेटा सेंटरों को भरोसेमंद और कार्बन-मुक्त बिजली दे सकें।

डेटा सेंटरों में ही लगेंगे परमाणु रिएक्टर: यह प्रयोग इसलिए जरूरी है क्योंकि भविष्य में डेटा प्रोसेसिंग की जरूरतें बढ़ने के साथ बिजली की जरूरत भी बढ़ेगी। फिलहाल इसके लिए दुनिया बड़े ग्रिड पर निर्भर करती है। हालांकि भविष्य में छोटे न्यूक्लियर रिएक्टर सीधे डेटा सेंटर लगाए जा सकेंगे। इससे स्पलाई की चिंता के बिना लगातार बिजली मिल सकेगी। परमाणु ऊर्जा को लेकर जो सुरक्षा की चिंताएं थीं, उन्हें ये छोटे, सुरक्षित और बंद-लूप वाले रिएक्टर खत्म कर सकते हैं।

अजब - गजब

मौत के बाद वापस लौटा शख्स, बताया दूसरी दुनिया में कुछ भी जादुई नहीं

मौत के बाद की दुनिया कैसी दिखती है, इस सवाल का जवाब खोजने के लिए लोग सदियों से रिसर्च कर रहे हैं, लेकिन रोमफोर्ड, ईस्ट लंदन के रहने वाले मैथ्यू एलिक के पास इस बारे में एक ऐसा जवाब है, जो आपको निराश कर सकता है। 43 साल के मैथ्यू, जो एक पिता, एक्टर और मॉडल हैं, अगस्त 2023 में करीब 10 मिनट के लिए क्लीनिकली डेड घोषित कर दिए गए थे। उस वक्त उन्हें एक बहुत बड़ा हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उनकी सांसें थम गईं और दिल ने धड़कना बंद कर दिया था।

मैथ्यू को सांस लेने में दिक्कत और पैरों में सूजन की वजह से अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने पाया कि उनके दिल और फेफड़ों में क्रिकेट की गेंद के आकार के खून के थक्के जम गए थे। पल्मोनरी एम्बोलिज्म की वजह से उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ और वे वहीं गिर पड़े। डॉक्टरों ने उन्हें वापस लाने के लिए डिफिब्रिलेटर का इस्तेमाल किया और इतनी ताकत से सीपीआर दिया कि उनके शरीर के अंदर ब्लीडिंग होने लगी। लगभग 10 मिनट तक क्लीनिकली डेड रहने के बाद आखिरकार डॉक्टरों ने उन्हें होश में ला दिया और फिर वे तीन दिनों तक कोमा में रहे।

मैथ्यू जब कोमा से बाहर आए, तो उनसे सबसे पहला सवाल यही पूछा गया कि उन्होंने 'दूसरी दुनिया' में क्या देखा? मैथ्यू का जवाब सुनकर सब हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ भी याद नहीं है। उनके मुताबिक, मौत का अनुभव किसी दिव्य रोशनी या स्वर्ग जैसा नहीं था, बल्कि यह एक बेहद शांतिपूर्ण नींद से जागने जैसा महसूस हुआ। मैथ्यू का यह खुलासा उन लोगों के लिए निराशाजनक हो सकता है, जो मौत के बाद किसी जादुई दुनिया की उम्मीद करते हैं।

मौत के मुंह से वापस आने के बाद मैथ्यू की जिंदगी आसान नहीं थी। पिछले दो सालों में उन्होंने एक रिश्ता टूटने, नौकरी जाने, आर्थिक तंगी और अपने बेटे की खराब सेहत जैसी कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। लेकिन मैथ्यू का कहना है कि जब आप मौत को हरा देते हैं, तो कोई भी चुनौती आपको डरा नहीं सकती। उन्होंने रोने और हार मानने के बजाय खुद को दोबारा खड़ा करने का फैसला किया। आज वे अपनी बेस्ट फ्रेंड से सगाई कर चुके हैं, दोनों ने अपना घर खरीद लिया है और उनके बच्चे भी लाइफ में अच्छा कर रहे हैं।

किताब के जरिए दी नई प्रेरणा: मैथ्यू ने अपनी मौत और उसके बाद के 18 महीनों के संघर्ष को एक किताब 'लाइफ आफ्टर बीइंग क्लीनिकली डेड' में बताया है। डिस्लेक्सिया (पढ़ने-लिखने की बीमारी) होने के बावजूद उन्होंने डिक्टाफोन में बोलकर अपनी कहानी लिखी और आज उनकी किताब की 1,000 से ज्यादा प्रतियां बिक चुकी हैं। मैथ्यू अब मोटिवेशनल स्पीच देते हैं और ब्लड फाउंडेशन के साथ काम करते हैं, क्योंकि 7 बार खून चढ़ने की वजह से ही उनकी जान बच पाई थी। मैथ्यू की सेहत अब पहले जैसी नहीं रही और उन्हें पूरी उम्र खून पतला करने वाली दवा लेनी होगी, लेकिन वे अपनी कमियों पर नहीं बल्कि अपनी काबिलियत पर ध्यान दे रहे हैं। उनका मानना है कि जिंदगी बहुत छोटी है और हमें हर पल का लुत्फ उठाना चाहिए।

मां पीतांबरा की शरण में पहुंचे शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा, बगलामुखी मंदिर में की पूजा

दतिया। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपने पति राज कुंद्रा के साथ शुक्रवार को दतिया पहुंचीं। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध मां पीतांबरा पीठ में मां बगलामुखी के दरबार में हाजिरी लगाई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

इसके बाद दोनों ने प्राचीन वंखण्डेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। अभिनेत्री के दतिया पहुंचने की खबर मिलते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। सुरक्षा के लिहाज से मंदिर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा बीते दिन सड़क मार्ग से दतिया पहुंचे। सबसे पहले वे सीधे मां पीतांबरा पीठ गए। मंदिर के मुख्य पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दोनों से मां बगलामुखी की विशेष पूजा कराई। शिल्पा ने पीले वस्त्र धारण किए थे, जो मां बगलामुखी की पूजा में विशेष महत्व रखते हैं। करीब 40 मिनट तक चली पूजा के दौरान उन्होंने सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। दंपती ने मंदिर में यज्ञ में आहुति भी दी। पीतांबरा पीठ में दर्शन के बाद शिल्पा और राज कुंद्रा शहर के प्राचीन वंखण्डेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने गर्भगृह में भगवान शिव का जलाभिषेक किया और बिल्वपत्र अर्पित किए। मंदिर समिति ने दोनों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। शिल्पा ने मंदिर की प्राचीनता और भव्यता की सराहना की। उन्होंने कहा कि दतिया की आध्यात्मिक ऊर्जा अद्भुत है। बॉलीवुड अभिनेत्री के दतिया आने की खबर जंगल में आग की तरह फैली। कुछ ही देर में पीतांबरा पीठ और वंखण्डेश्वर मंदिर के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रशंसक शिल्पा की एक झलक पाने को बेताब दिखे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अतिरिक्त बल लगाना पड़ा। शिल्पा ने भी हाथ हिलाकर और मुस्कुराकर सभी का अभिवादन किया। कई लोगों ने मोबाइल से तस्वीरें लीं। वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए प्रशासन पहले से अलर्ट था। पीतांबरा पीठ और वंखण्डेश्वर मंदिर परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

पति का नागपुर में चल रहा इलाज, बाइक फिसलने से चपेट में आए थे दंपति

तेज हवा से नरवाई में लगी आग भड़की शिक्षक दंपति झुलसे, पत्नी की हुई मौत

सिवनी। दोपहर मेट्रो

छपारा में नरवाई में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब तक घर एवं सामान जल रहे थे, लेकिन अब जनहानी की भी घटना होने लगी है। गुरुवार शाम नरवाई में लगी आग की वजह से एक दंपति बुरी तरह झुलस गए। नागपुर में इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई। वहीं पति की हालत स्थिर बताई जा रही है। नागपुर में इलाज चल रहा है। दंपति के साथ उनके दो बच्चे भी थे। जिन्हें लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बचा लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम बर्रा निवासी जयश्री नागले(38) छपारा स्थित सांदीपनि विद्यालय में अतिथि शिक्षक के पद पर कार्य कर रही थी। वहीं पति यतेन्द्र नागले भी विद्यालय में अतिथि शिक्षक हैं। दंपति गुरुवार शाम देवरी माल क्षेत्र में अपने दोनों बच्चों के साथ दोपहिया वाहन से शादी समारोह में जा रहे थे। बताया जाता है कि रास्ते में खेत में किसी ने नरवाई में आग लगा दी थी। इसी दौरान तेज हवाएं चलने लगी। नरवाई की आग सडक़ किनारे तक पहुंच गई। तेज आंधी से दंपति की दोपहिया वाहन अनियंत्रित होकर खेत में गिर गई। आग की चपेट में पत्नी जयश्री नागले आ गई। पति यतेन्द्र नागले ने पत्नी को बचाने की कोशिश की, जिससे वह भी बुरी तरह झुलस गए। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और किसी तरह से दोनों बच्चों को बचा लिया। हादसे में दंपति बुरी तरह झुलस गए। उन्हें जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर किया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए नागपुर रेफर कर दिया गया। नागपुर में इलाज के दौरान शुक्रवार को जयश्री नागले की मौत हो गई। वहीं यतेन्द्र नागले की हालत स्थिर बनी हुई है। अचानक आई शिक्षक दंपति पर विपदा की घड़ी में क्षेत्र के कई शिक्षक-शिक्षिका आर्थिक मदद जुटाने का प्रयास कर रहे हैं।

नरवाई में न लगाएं आग

जिले में इस वर्ष नरवाई में आग लगने की घटना से आधा दर्जन से अधिक घर जल चुके हैं। कई परिवार के सपने बिखर चुके हैं। लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो चुकी है। प्रशासन लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है। नरवाई में आग न लगाने की समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद भी लोगों में जागरुकता नहीं आ रही है। अब नरवाई में लगी आग ने एक हंसते हुए परिवार को पल भर में बिखरे दिया। बच्चों से उसकी मां छीन ली। पिता की भी हालत स्थिर है। जानकारों का कहना है कि लोगों को अब जागरूक होना होगा। सभी को यह संकल्प लेना होगा कि वह नरवाई में आग न लगाएं। प्रशासन को भी सख्त कदम उठाने होंगे।

बिजली व्यवस्था लडखड़ाई

छपारा क्षेत्र में 30 अप्रेल की शाम चली तेज हवाओं एवं आंधी-तूफान से कई पेड़ गिर गए। जनजीवन लगभग ढेड़ घंटे अस्त-व्यस्त रहा। नगर के शनिचरी निवासी भोजराम भारद्वाज के घर के पीछे विशाल आम का पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि उस समय कोई मौजूद नहीं था नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। भोजराम ने बताया कि आग को पेड़ टीन शेड पर गिरा। जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है। वहीं क्षेत्र में कई घर के छप्पर एवं दुकानों के टीन शेड भी उड़ गए। एरिगेशन कॉलोनी में कई पेड़ की टहनी टूटकर सडक़ पर गिर गई। जिससे काफी देर तक आवागमन प्रभावित हुआ। वहीं कई क्षेत्र में बिजली व्यवस्था भी लडखड़ा गई। देर रात विद्युत व्यवस्था बहाल हुई।

जनगणना 2026-27 के पहले दिन कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

नरसिंहपुर। जनगणना 2026-27 के पहले दिन कलेक्टर ने मचकन बाड़े मोहल्ले में चल रहे मकान सूचीकरण का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर दोपहर करीब 2 बजे टीम के साथ फील्ड पर पहुंचे। घर-घर जाकर डिजिटल ऐप से हो रही एंट्री की जांच की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अंकित जैन, नायब तहसीलदार हर्षवर्धन सिंह, सुपरवाइजर शैलेंद्र यागिक, प्रगणक सचिन तिवारी मौके पर रहे।

ट्रैक्टर धोखाधड़ी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार पुलिस खोज रही थी चार ट्रैक्टर, मिल गए 20

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

भाटपचलाना पुलिस ने किसानों से किराए के नाम पर ट्रैक्टर हड़पने वाले आरोपी रफीक को गिरफ्तार किया। जांच में खुलासा हुआ कि उसने चार नहीं, बल्कि 20 ट्रैक्टर हड़पे थे। करीब 1.80 करोड़ रुपये के ट्रैक्टर जब्त किए गए। आरोपी किसानों को लालच देकर ट्रैक्टर बेच या गिरवी रख देता था।

भाटपचलाना थाना पुलिस के पास 29 अप्रैल को एक शिकायत पहुंची थी कि एक व्यक्ति द्वारा चार ट्रैक्टर किराए पर लिए गए, लेकिन बाद में न तो उसे किराया दिया गया और न ही ट्रैक्टरों को लौटाया गया। पुलिस ने किसानों द्वारा धोखाधड़ी एवं ट्रैक्टर वापस नहीं करने संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चार नहीं बल्कि 20 ट्रैक्टर बरामद किए गए। इनकी कीमत 1.20 करोड़ रुपये बताई गई है।

पुलिस ने आरोपी रफीक पिता गनी मोहम्मद निवासी ग्राम माधीपुरा के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आकांक्षा बछोट ने बताया कि भाटपचलाना थाना पुलिस ने किसानों के साथ ट्रैक्टरों की धोखाधड़ी करने वाले शातिर आरोपी रफीक पिता गनी मोहम्मद निवासी ग्राम माधीपुरा को गिरफ्तार किया है। वह मासिक किराया देने का लालच देकर किसानों से ट्रैक्टर हड़पता था। पुलिस ने विभिन्न जिलों से 20 ट्रैक्टर लगभग 1 करोड़ 80 लाख के जब्त किए हैं। थाना प्रभारी भाटपचलाना निरीक्षक सतेंद्र सिंह चौधरी एवं उनकी टीम ने इस मामले में प्रभावी कार्रवाई की है।

आगर घाटी मोड़ पर लूट की वारदात

दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने फालिया अड़ाकर वृद्ध से लूटी चांदी

धार। दोपहर मेट्रो

बाग क्षेत्र के आगर घाटी मोड़ पर बदमाशों ने दिनदहाड़े बाइक सवार अज्ञात लुटेरों ने एक वृद्ध को अपना निशाना बनाया। बदमाश फरियादी से करीब 50 हजार रुपये कीमत की चांदी की तागली (कड़े) लूटकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी भंगु पिता जामसिंह पचाहा (60 वर्ष) निवासी ढीलवानी स्कूलपुरा अपने निजी कार्य से ग्राम रिंगनोद गए थे। वहां उन्होंने सुनार के पास गिरवी रखी अपनी 1 किलो पुरानी चांदी की दो तागली कीमत लगभग 50 हजार रुपये छुड़वाई थी। चांदी लेकर वे अपनी मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रहे थे। तभी आगर घाटी मोड़ के पास पीछे से दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात बदमाशों ने उनका पीछा करना शुरू किया। बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में फरियादी की मोटरसाइकिल के आगे अपनी गाड़ियाँ अड़ाकर उन्हें रोका, इससे पहले कि भंगु कुछ समझ पाते, एक बदमाश ने उन पर फालिया तान दिया और जान से मारने की धमकी देकर चांदी के जेवरात रखी थैली छीनकर भाग गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने थाने पहुँचकर बाग थाने में शिकायत दर्ज कराई।

टिकरा टोला में भीषण जल संकट गहराया

मंडला। जिले के घुघरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चलनी के टिकरा टोला में भीषण जल संकट गहरा गया है। यहां ग्रामीण पीने के पानी के लिए प्रतिदिन संघर्ष कर रहे हैं। महिलाएं सिर पर बर्तन रखकर और पीठ पर छोटे बच्चों को लेकर आधा किलोमीटर दूर स्थित कुएं से पानी लाने को मजबूर हैं।

रेत के अवैध परिवहन पर सख्ती, दो वाहन जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में रेत और गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, ओवरलोडिंग व बिना ढके परिवहन के खिलाफ प्रशासन की मुहिम जारी है। खनिज विभाग ने गत दिवस सख्त कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को पकड़कर जप्त कर लिया। ग्राम पवारखेड़ा (तहसील माखननगर) से डम्पर (एमपी11एच0988) को रेत का ओवरलोड परिवहन करते पकड़ा गया। वहीं, औद्योगिक क्षेत्र मोहासा में बिना नंबर वाली सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध रेत परिवहन के आरोप में सीज किया गया। दोनों वाहनों को पुलिस थाना माखननगर की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने अन्य रेत परिवहन वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी है। चालकों को रेत ढककर ले जाने और नियंत्रित गति का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जप्त वाहनों पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियम 2022 के तहत वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

सांसद चौधरी ने गेहूं उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

उपार्जन केंद्र पर किसानों को न हो परेशानी, व्यवस्थाएं रखें सुचारू: सांसद दर्शनसिंह

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने शुक्रवार को कृषि उपज मंडी नर्मदापुरम स्थित गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। निरीक्षण में सांसद ने गेहूं की तुलाई, गुणवत्ता परीक्षण और अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि कई गेहूं के ढेर निरस्त हो चुके थे। अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीदी केवल एफएक्यू गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप हो, लेकिन किसानों को अनावश्यक परेशानी न दी जाए। ताकि तुलाई समय पर हो सके। उन्होंने किसानों की तुलाई संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान भी करवाया। किसानों की सुविधा के लिए सांसद ने अतिरिक्त तौल-काटे बढ़ाने, छाया, बैठने की व्यवस्था और पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। हर किसान को सहज, पारदर्शी और समयबद्ध सेवा मिले। सांसद चौधरी ने किसानों को आश्वस्त किया कि केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश में सीएम डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार किसानों के हित में कार्यरत है। स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 23 मई तक बढ़ाई गई है। खरीदी क्षमता और सुविधाओं में वृद्धि के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने किसानों से अपील की कि गेहूं निर्धारित स्लॉट तिथियों पर ही लाएं, ताकि व्यवस्था सुचारू रहे। अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

मेट्रो एंकर — ‘नीर पखेरु’ से जुड़ी संवेदनशील पहल

समर कैंप में बच्चों ने सीखें जीवन मूल्य

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

विकासखंड केसला के जन शिक्षा केंद्र पथरौटा में ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों के लिए समर केम्प का आयोजन किया गया, जहां शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया गया। यह पहल जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) डॉ. राजेश जायसवाल की नवाचारी गतिविधियों से प्रेरित होकर जन शिक्षक शालीन दास और इम्तियाज खान के मार्गदर्शन में 1 मई से शुरू हुई।

समर कैंप में बच्चों को चित्रकला, गायन, खेलकूद और जीवन मूल्यों से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिला। खास बात यह रही कि कलेक्टर नर्मदापुरम की ‘नीर पखेरु’ योजना के तहत बच्चों को पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अपने हाथों से पक्षियों के लिए घोंसले बनाना, उन्हें घरों में लगाना और दाना-पानी की व्यवस्था करना सिखाया। इससे बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित हुआ। जन शिक्षक शालीन दास ने केंद्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों में पहुंचकर समर केम्प की गतिविधियों का अवलोकन किया और बच्चों के साथ सीधे जुड़कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान

बच्चों को बिस्किट, पेन, पेंसिल-रबर, स्केच पेन और चॉकलेट वितरित किए गए। साथ ही उन्होंने बच्चों को कहानियां सुनाईं और खेल गतिविधियों में भी भाग लिया, जिससे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। गर्मी की छुट्टियों में भी गांव-गांव जाकर इस तरह के शैक्षणिक और रचनात्मक आयोजन करना शिक्षकों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समर केम्प में बच्चों की सक्रिय भागीदारी और सीखने की ललक ने इस पहल को सफल बना दिया। अंत में जन शिक्षक शालीन दास ने सभी शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के नवाचार बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

कलेक्टर का एक्शन... लापरवाही पर दो पटवारियों को किया सस्पेंड

देवास। दोपहर मेट्रो

जिले के कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने लापरवाह अफसर और अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। जिले के पीपरी गांव में शुक्रवार को विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर ऋतुराज सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे। सुनवाई में बागली विधायक मुरली भंवरा भी उपस्थित थे। सुनवाई के दौरान एक तरफ जहां बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने अपनी समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। वहीं, दूसरी तरफ कलेक्टर ने लापरवाह बरतने वाले पटवारी और अधिकारियों पर करवाई भी की। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर द्वारा मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जनसुनवाई में जिला अधिकारियों ने स्टॉल लगाकर विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर एक्शन लेते हुए कार्रवाई की। इसमें पेयजल संबंधी आवेदनों की जांच में पीएचई विभाग की सब इंजीनियर वैष्णवी भावसार को काम में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर सिंह ने उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया। इसके बाद फौती नामांतरण कार्य में विलंब और असंतोषजनक कार्यप्रणाली के कलेक्टर ने दो पटवारियों पर भी कार्रवाई करते हुए पटवारी सूरज गंगवाल और पटवारी नवनीत पुरंदरे को भी सस्पेंड किया गया। इसके अलावाबिजली के टूटे हुए पोल को समय पर ठीक न करने पर जेई डीएस परिहार को शोकाज नोटिस देने व लाइनमैन कृष्णकांत बघेल की 15 दिन की सैलरी काटने के निर्देश दिए। विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर सिंह ने बिजली करंट से झुलसे पीड़ित शिवराम बघेल और चैन सिंह को 25-25 हजार रुपए की आर्थिक राहत राशि प्रदान की। वहीं बारिश में मकान ढह जाने से प्रभावित नानसिंह कन्नौज को 25 हजार रुपए की सहायता दी गई। गोपाल सेन को सोसाइटी में जमा अंश राशि प्राप्त न होने पर 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की।

नर्सरी से यूकेजी तक परीक्षा पर लगाई रोक

छोटे बच्चों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को देखते हुए जिले में संचालित प्ले स्कूलों की कार्यप्रणाली को लेकर कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए नर्सरी, केजी-1 एवं केजी-2 के विद्यार्थियों की किसी भी प्रकार की परीक्षा लेने के साथ उनकी रैंकिंग और ग्रेडिंग करने पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यदि जिले में संचालित किसी भी प्ले स्कूल द्वारा इन कक्षाओं के छात्रों की परीक्षा आयोजित की जाती है या उनकी रैंकिंग/ग्रेडिंग की जाती है,तो संबंधित संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें संस्था की मान्यता समाप्त करने तक की कार्रवाई शामिल है।

न्यूज विंडो

मंदिर के पास दोस्त के साथ बैठी नाबालिग से तीन आरोपियों ने किया गैंगरेप

पन्ना। पन्ना में दोस्त के साथ घूमने आई नाबालिग के साथ गैंगरेप और लूट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने नाबालिग के दोस्त को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल, चांदी की चेन और 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनका जुलूस भी निकाला। नाबालिग बुधवार शाम अपने साथी युवक के साथ मंदिर घूमने गई थी। दोनों मंदिर से कुछ दूरी पर पेड़ के नीचे बैठे हुए थे, तभी बाइक से आरोपी युवक वहां पहुंचे। युवकों ने दोनों के साथ मारपीट कर धमकाया और युवक को बंधक बना कर चांदी की चेन, मोबाईल, नगद 10 हजार रूपए लूट लिए। इस दौरान तीन युवकों ने नाबालिग को डरा-धमकाकर उसके साथ गैंगरेप किया था। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी फरार हो गए थे। घटना के बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसके दोस्त ने पुलिस को सूचना दी। गैंगरेप की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को बुधवार रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। गुरुवार सुबह मेडिकल परीक्षण किया गया, इसके बाद पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना देवेंद्रनगर में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध सामूहिक बलात्कार का अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने आरोपियों के हुलिया के आधार पर आसपास के ग्रामों में संदिग्ध व्यक्तियों की सघन तलाश की। इसी बीच मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बड़ागांव बांध क्षेत्र में घेराबंदी कर तीन संदेहियों श्रीपाल गडारी (27), शनि पाल (23), राहुल जैसवाल (27) को पकड़कर उनसे पूछताछ की तो उन्होंने वारदात को अंजाम देना कबूल किया। आरोपियों ने अपने साथी हेतराम उर्फ हितु पटेल के बारे में बताया उसे भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

प्रधान अध्यापक कोदू सिंह की सेवानिवृत्ति पर हुआ विदाई सम्मान समारोह

तेन्दूखेड़ा। शासकीय प्राथमिक शाला हिनौती सर्रा में पदस्थ रहे प्रधान अध्यापक कोदू सिंह का सेवानिवृत्ति पर विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया.41 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्ति पर गरिमामयी कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण जनों द्वारा गाजों बाजों के साथ विदाई दी गई. बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित क्षेत्र के मंत्री के पिता भाव सिंह लोधी ने कहा कि शिक्षक हमेशा सम्मान का पात्र होता है उन्होंने कहा कि कोदू सिंह ने जीवन पर्यंत पूर्ण ईमानदारी और लगन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में जो काम किया है वह अतुलनीय है, मैं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं और वह सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा की अलग जगती रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक प्रताप सिंह लोधी ने भी शिक्षक कोदू सिंह के सेवा काल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह बहुत ही अच्छे शिक्षक रहे हैं उनकी कार्यशैली आज का यह कार्यक्रम बताती है, सेवा मे न होने पर भी वह समाज की सेवा में अपना योगदान देते रहें। राजेश ठाकुर और विष्णु विश्वकर्मा के द्वारा शिक्षक के सम्मान में विदाई गीत की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये. शिक्षक के विदाई सम्मान में मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह ,भारत सिंह लोधी, सरपंच राजेंद्र सिंह, जनपद सदस्य लोकपाल सिंह लकी ठाकुर, दीपचंद सिंघई, मनोहर सिंह ठाकुर, आनंद जैन सचिव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

उज्जैन पुलिस की कार्रवाई: मामले में बड़े मानव तस्करी गिरोह की आशंका

ट्रेन से हो रही थी 100 बच्चों की तस्करी, सागर-बीना में नहीं मिली मदद; उज्जैन में 26 रेस्क्यू

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मानव तस्करी के एक बड़े मामले का भंडाफोड़ हुआ है। अंत्योदय एक्सप्रेस से गुजरात ले जाए जा रहे 26 नाबालिग बच्चों को मक्सी और उज्जैन स्टेशन पर रेस्क्यू किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन बच्चों को बचाने के लिए सागर की बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य खुद ट्रेन में सवार होकर बच्चों को चिह्नित करते रहे, लेकिन सागर और बीना जीआरपी ने कार्रवाई करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य ओमकार सिंह को सूचना मिली थी कि मुजफ्फरनगर से अहमदाबाद जा रही अंत्योदय एक्सप्रेस में करीब 100 नाबालिग बच्चों को बाल श्रम के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना पर सीडब्ल्यूसी और जेजेबी के सदस्य शाम 5:30 बजे सागर स्टेशन पहुंचे। उन्होंने बोगियों में बच्चों को अकेला और संदिग्ध अवस्था में देखा। जब समिति के सदस्यों ने सागर जीआरपी से बच्चों को उतारने के लिए कहा, तो पुलिस ने फोर्स की कमी और समय के अभाव का बहाना बनाकर हाथ पीछे खींच लिए। पुलिस ने आश्वासन दिया कि बीना स्टेशन पर कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य वंदना तोमर और चंद्रप्रकाश शुक्ला खुद ट्रेन में सवार होकर बच्चों की निगरानी करते हुए बीना तक गए। बीना स्टेशन पर पुलिस बल तो मौजूद था, लेकिन अधिकारियों ने ट्रेन के अंदर जाकर सर्चिंग करने के बजाय समिति के सदस्यों से ही पूछताछ में समय निकाल दिया और ट्रेन आगे बढ़ गई।

चला बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन

सागर–बीना में पुलिस की विफलता के बाद उज्जैन पुलिस को अलर्ट किया गया। रात 11 बजे उज्जैन और मक्सी स्टेशनों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। यहां शुरुआती जांच में 4 बच्चों को उतारा गया। सीएसपी दीपिका शिंदे के नेतृत्व में ट्रेन को नागदा स्टेशन पर रुकवाकर एक घंटे सर्चिंग की गई, जहां 22 और बच्चे मिले।

बड़े गिरोह की आशंका

रेस्क्यू किए गए 26 बच्चों को फिलहाल उज्जैन जीआरपी की सुरक्षा में रखा गया है। इनमें से दो बच्चों की उम्र 14 साल से भी कम है। श्रम विभाग की सहायक आयुक्त राखी जोशी के अनुसार, जानकारी 100 बच्चों की थी, लेकिन पुलिस को केवल 26 ही मिल पाए। आशंका जताई जा रही है कि बाकी बच्चों को पुलिस की सुस्ती का फायदा उठाकर बीच के स्टेशनों पर उतार दिया गया या वे ट्रेन में ही छिपे रह गए। इस रेस्क्यू में बाल आयोग के पूर्व सदस्य ओमकार सिंह, वंदना तोमर, चंद्रप्रकाश शुक्ला, भगवतशरण बनवारिया, अनिल रैकवार और उज्जैन सीएसपी दीपिका शिंदे सहित सामाजिक संस्थाओं (संकल्प, आवास) के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

शिविर संपन्न: बालिकाओं और युवाओं को तलवारबाजी, योग का प्रशिक्षण मिला

धार। दोपहर मेट्रो

पीथमपुर के लेबड़ चौकी में अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा और करणी सेना परिवार द्वारा आयोजित पांच दिवसीय आत्मनिर्भरता एवं तलवारबाजी प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। यह शिविर 27 अप्रैल से 1 मई 2026 तक शासकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में चला, जिसमें क्षेत्र की बालिकाओं और युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर करणी सेना परिवार की प्रदेश अध्यक्ष ममता जितेंद्र सिंह सोलंकी, प्रदेश सचिव ज्योत्सना जी, वीरांगना महासभा की प्रदेश अध्यक्ष वंदना सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष रानी चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक चले इस शिविर में विशेषज्ञ कोच आयुषी बंसल, चिराग सिंगारे और सुहानी गवाल ने तलवारबाजी के गुर सिखाए। इससे प्रतिभागियों में संतुलन और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित हुई। साथ ही, योग के माध्यम से शारीरिक फिटनेस और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत अतिथियों द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद छोटी बालिकाओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत की, और सभी प्रतिभागियों ने शिविर में सीखे गए शौर्य कौशलों का प्रदर्शन किया। आयोजन की प्रमुख गीता राकेश सिंह गौतम ने बाहर से आए अतिथियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी में शामिल हुए श्रमिक

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास समिति तेंदूखेड़ा द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों के साथ-साथ क्षेत्र के विभिन्न श्रमिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। संगोष्ठी के दौरान 1 मई श्रमिक दिवस के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। यह दिवस श्रमिकों के अधिकारों, सम्मान और उनके योगदान को पहचान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। साथ ही श्रमिकों को उनके अधिकारों, कार्यस्थल की सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी दी गई। ग्रामीण विकास समिति के प्रतिनिधि धरमदास पाल ने कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ हैं, उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी है। श्रमिक दिवस की शुरुआत हेमार्केट आंदोलन से मानी जाती है। 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने 8 घंटे काम की मांग को लेकर आंदोलन किया था। इस आंदोलन में कई मजदूरों ने अपनी जान भी गंवाई। भारत में पहली बार मजदूर दिवस 1923 में चेन्नई में मनाया गया था। इसे कामगार दिवस, मई दिवस भी कहा जाता है। इसके बाद 1 मई को श्रमिकों के अधिकारों के लिए समर्पित दिन के रूप में मनाया जाने लगा।

पांढुर्णा तहसील के राजना-सौसर मार्ग पर बिजली लाइन से तार चोरी

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

तहसील के राजना-सौसर मार्ग पर बिजली लाइन से तार चोरी का बड़ा मामला सामने आया है। जायसवाल गैस एजेंसी के सामने से करीब डेढ़ किलोमीटर तक मुख्य बिजली तार, स्टे वायर और अन्य सामान काटकर चुरा लिया गया। इस घटना में 8 बिजली के खंभे प्रभावित और क्षतिग्रस्त हुए हैं।शिकायतकर्ता प्रशांत जूनघरे ने बड़चिचोली पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर — स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत शहर में किए जा रहे स्वच्छता कार्यों सहित सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थल किया निरीक्षण

शहर की दीवारों को सुंदर बनाने इस प्रकार चित्रकारी कराएं: खत्री

सागर. । दोपहर मेट्रो

निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शहर में किए जा रहे स्वच्छता कार्यों सहित सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया और स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतिस्पर्धा के लिए विभिन्न गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने शहर में विभिन्न दीवारों पर की जा रही आकर्षक चित्रकारी और प्रेरणादायक दीवार लेखन कार्यों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिये की खेल परिसर की बाहरी दीवार पर एक ओर विभिन्न खेल मुद्राओं का और दूसरी ओर भारतीय सांस्कृतिक नृत्य मुद्राओं का चित्रण करें। उन्होंने कहा की दीवारों को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए इस प्रकार चित्रकारी कराए जो की दैनिक जीवन की गतिविधियां, प्राकृतिक तत्वों, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रर्दशित करे और शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ ही स्वच्छता जागरूकता में सहायक हो।

उन्होने कहा की नाले-नालियों के आसपास इस प्रकार लेखन करायें की नागरिक नालों में कचरा न डालें, खुले में प्रसाधन यूरिन आदि न करें। नागरिक सार्वजनिक सामुदायिक व स्मार्ट शौचालय और यूरिनल्स का उपयोग करें। मॉडर्न आर्ट, वारली चित्रकला, जनजातीय चित्रकला और स्थानीय बुंदेली चित्रकला का प्रयोग कर दीवारों को स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए सजाएं। उन्होंने डिग्री कॉलेज दीवार पर बनाई गई बद्रीनाथ मंदिर की विशाल पेंटिंग का निरीक्षण कर शेष जगह पर भी सुंदर चित्रकारी कराने के निर्देश दिए।

संजयड्राइव के पास बन रही आकर्षक कलाकृति

निगमायुक्त ने संजयड्राइव रोड बाघराज पिपरिया तिराहे के पास ब्लैक स्पॉट समाप्त कर बनाए जा रहे सौंदर्य स्थल के निर्माणाधीन कार्यों का जायजा लेते हुए समय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा की 3आर अंतर्गत कबाड़ से जुगाड़ कर बनाई जा रही आकर्षक कलाकृति यहां स्थापित की जानी है।

खाली प्लाटों पर पड़े मलवे, भवन निर्माण सामग्री हटाने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे और खाली प्लाटों पर पड़े मलवे, भवन निर्माण सामग्री और सीएंडडी वेस्ट आदि को देखकर तत्काल हटवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा की शासकीय स्थलों पर पड़ा मलवा और सीएंडडी वेस्ट आदि उठवाकर तत्काल सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट पहुंचवाना सुनिश्चित करें।

Government Women's Polytechnic College
Shivaji Nagar, Bhopal – 462016 (M.P.)
Phone: 0755-2576839, Fax: 0755-257684
Email:-prinwpoly.bpl@mp.gov.in Website: www.gwpbpl.ac.in
Approved by AICTE& Affiliated to RGPV Bhopal
Estb. 1964
NBA Accredited programmes
Architecture & Interior Design (2019-25)
Computer Science & Engineering (2019-25)
Excellence in Technical Education for Women Empowerment

क्रमांकः /शामपॉमभो/सुरक्षा/2026/659 भोपाल, दिनांकः 25/04/2026

प्रथम निविदा सूचना

शासकीय महिला पॉलीटेकनिक महाविद्यालय, शिवाजी नगर , कार्यालय भवनों, छात्रावास, की सुरक्षा व्यवस्थाएवं कक्षाओं, प्रयोगशालाओं को गाउन्ड, कारीडोर एवं अन्य समस्त कक्षों, शौचालय, बाथरूम की साफ सफाई व्यवस्था एवं उद्यान रखरखाव कार्य (माली कार्य) हेतु निविदा प्रपत्र । उपलब्ध कराने हेतु संबंधित क्षेत्र में पंजीकृत एवं अनुभवी ऐजेन्सियॉ से निविदा आमंत्रित की जाती है । निविदा पत्र एवं अन्य जानकारी/शर्तें संस्था की वेब साइट – www. gwpbpl.ac.in/ www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है ।

निविदा मध्य प्रदेश शासन की ई–टेन्डरिंग वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर अपलोड करने की अन्तिम तिथि दिनांक 26/05/2026 समय 05:00 बजे सायं निर्धारित है । निविदाकर्ता निविदा भरने से पूर्व कार्यालयीन समय आवश्यकतानुसार संस्था का निरिक्षण कर सकते है ।

G-12267/26
"सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं.- 1930"

Principal
Govt. Women's Polytechnic college
Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)

धोनी के खेलने पर सस्पेंस

आज चेन्नई-मुंबई का मैच, प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए दोनों के लिए जीत जरुरी

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल 2026 में संघर्ष कर रहीं चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस शनिवार को चेपॉक में आमने-सामने होंगी। मुकाबला शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। इस मैच में भी सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का खेलना मुश्किल लग रहा है। इस सीजन में चेन्नई ने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से 3 में उन्हें जीत मिली है और 5 में हार का सामना किया है। मुंबई ने अब तक अपने 8 में से सिर्फ 2 मैच जीते हैं और 6 में हार झेली है। हारने वाली टीम के लिए प्लेऑफ में पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। यह दोनों टीमों के बीच इस सीजन का दूसरा मुकाबला है। मुंबई में 23 अप्रैल को खेले गए मैच में चेन्नई ने 103 रन से हराया था।

चेन्नई के खिलाफ मुंबई दो मैच से आगे

दोनों टीमों के बीच आईपीएल में 40 मैच हुए हैं। चेन्नई ने 19 और मुंबई ने 21 जीते हैं। पिछले सीजन दोनों के बीच 2 मैच हुए, जिसमें दोनों ने 1-1 जीते। चेपॉक में दोनों के बीच 9 मैच खेले गए हैं। इसमें मुंबई ने 5 और चेन्नई ने 4 मैच जीते।

सैमसन ने मुंबई के खिलाफ शतक लगाया था

संजू सैमसन ने मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में शतक लगाया था। सैमसन 8 पारियों में 2 शतक समेत 300 से ज्यादा रन बना चुके हैं और टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। गेंदबाजी में जेमी ओवरटन और अंशुल कंबोज ने प्रभावित किया है। ओवरटन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4/18 का बेस्ट स्पेल डाला था। कंबोज टॉप विकेट टेकर हैं, वे 8 मैचों में 14 विकेट ले चुके हैं।

मुंबई के लिए अब हर मैच नॉकआउट जैसा

मुंबई इंडियंस के ओपनर रायन रिकल्टन टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं, उन्होंने 6 मैचों में 260 रन बनाए हैं। रिकल्टन ने पिछले मैच में हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया था। उन्होंने 55 बॉल पर नाबाद 123 रन बनाए थे। अल्लाह गजनफर टॉप विकेट टेकर हैं, वे 6 मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं। 2 मई को चेन्नई में मौसम अत्यधिक गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। आज यहां का तापमान 29 से 37 डिग्री के बीच रहने की उम्मीद है, लेकिन उमस के कारण यह 37 डिग्री से ऊपर महसूस हो सकता है। करीब 35-40 किमी/घंटा की हवाएं खिलाड़ियों को कुछ राहत दे सकती हैं। मैच के दौरान बारिश की संभावना नहीं है।

चेपॉक की पिच पर स्पिनर्स का बोलबाला

एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) की पिच धीमी और स्पिन के अनुकूल है। मैच बढ़ने के साथ पिच और धीमी होती है, जिससे दूसरी पारी में बल्लेबाजी मुश्किल होती है और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा मिलता है। यहां आईपएल के 95 मैच खेले गए हैं। 53 में पहले बैटिंग करने वाली टीम जीती है, जबकि 42 में चेज करने वाली टीम जीती है। यहां का सबसे बड़ा टीम स्कोर 246/5 है, जो 2010 में चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाया था।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-12

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवर्टन, अकील हुसैन, नूर अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजपनीत सिंह और सरफराज खान। मुंबई इंडियंस- रायन रिकेल्टन, विल जैक्स, नमन धीर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, अल्लाह गजनफर, अश्विनी कुमार और दानिश मलेवर।

इयान बिशप ने कहा- वैभव सूर्यवंशी की कोई कमजोरी नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के दिग्गज गेंदबाज इयान बिशप ने कहा है कि उन्हें वैभव सूर्यवंशी की कोई कमजोरी नजर नहीं आती है। हालांकि, पूर्व दिग्गज गेंदबाज ने अपने अनुभव के आधार पर कहा है कि उनके खिलाफ बैक ऑफ लेंथ गेंदबाजी कारगर साबित हो सकती है।

15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया है। राजस्थान के इस ओपनर ने जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे दिग्गज गेंदबाजों पर चौके-छक्के लगाए हैं। वे इस सीजन में 400 रन बना चुके हैं। और ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर हैं। 'रिवेंज वीक' से पहले क्रिकइंफो एक्सपर्ट इयान बिशप ने मुंबई के खराब प्रदर्शन पर भी बात की। उन्होंने दैनिक भास्कर के सवाल पर कहा कि अगर मुंबई को बाउंस बैक करना है, तो उसे अपनी गेंदबाजी बेहतर करनी होगी। उन्होंने कहा- टीम में और भी खामियां हैं, लेकिन सबसे पहले गेंदबाजी पर काम करना होगा।

58 साल के दिग्गज गेंदबाज ने सूर्यवंशी की बैटिंग की तरीफ करते हुए कहा- उनके पास हर गेंदबाज के प्लान से लेकर त तक का करारा जवाब है। इयान ने बताया कि टूर्नामेंट के सीनियर गेंदबाज वैभव को रोकने के लिए अलग-अलग पैंतरे आजमा रहे हैं।

पिछले मैच में अर्शदीप सिंह ने लगातार यॉर्कर डालने की कोशिश की और फिर विकेट के पीछे से एंगल बदलकर गेंदबाजी की, लेकिन वैभव पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। बिशप के मुताबिक, जब एक अनुभवी गेंदबाज को किसी युवा खिलाड़ी के खिलाफ 6-7 अलग-अलग प्लान बदलने पड़ें, तो समझ जाइए कि वह खिलाड़ी खास है।

वैभव सूर्यवंशी की कमजोर पर इयान बिशप ने कहा- %उनकी बैटिंग में कमजोरी ढूंढना मुश्किल है। वैभव का %बेस बॉल% स्टाइल बैट स्विंग और उनकी मानसिक मजबूती उन्हें दुनिया के बेस्ट बॉलर्स के सामने बेखौफ होकर खेलने की ताकत देती है। हालांकि, बिशप ने अपने अनुभव के आधार पर सूर्यवंशी की बैटिंग में एक खामी निकाली है।

सात साल के इशांक ने 29 किमी का 'पाक स्ट्रेट' तैरकर पार किया, यंगेस्ट स्विमर बने

रांची, एजेंसी

रांची के रहनेवाले 7 साल के इशांक सिंह ने महज विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने श्रीलंका के तलाईमन्नार से भारत के धनुषकोडी (तमिलनाडु) तक 29 किलोमीटर का खतरनाक 'पाक स्ट्रेट' का रास्ता 9 घंटे 50 मिनट में तैरकर पार किया।

उन्होंने 30 अप्रैल 2026 को यह उपलब्धि हासिल की। इशांक अब 'पाक स्ट्रेट' का समुद्री रास्ता पार करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के स्विमर बन गए हैं। यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम ने उन्हें %यंगेस्ट एंड फास्टेस्ट पाक स्ट्रेट स्विमर% का विश्व रिकॉर्ड सर्टिफिकेट भी दिया है।

इशांक रोज 4 से 5 घंटे प्रैक्टिस करते थे

इशांक रांची के धुर्वा डैम में रोजाना 4 से 5 घंटे की प्रैक्टिस करते थे। उनकी ट्रेनिंग कोच अमन कुमार जायसवाल और बजरंग कुमार के गाइडेंस में हुई। पाल्क स्ट्रेट भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है, जहां तेज धाराएं और समुद्री जानवरों का खतरा रहता है। इसके बावजूद उन्होंने पूरा रास्ता तय किया। इशांक रांची के डीएवी श्यामली स्कूल में तीसरी कक्षा के छात्र हैं। स्कूल प्रिंसिपल ने उनकी उपलब्धि पर गर्व जताया है। उन्होंने इशांक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इसे स्कूल, रांची और पूरे देश के लिए गर्व का पल बताया है।

पांच मिनट और तेज हो सकती है मैराथन की रफ्तार

ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर का दावा- जूतों के डिजाइन और कपड़ों के मटेरियल की मदद से तेज होगी दौड़

लंदन, एजेंसी

लंदन की सड़कों पर इतिहास बन गया, जब लंदन मैराथन में पहली बार दो धावकों ने 42.195 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम समय में पूरी कर दी। यह खेल इतिहास का ऐसा पल था, जिसे कभी असंभव माना जाता था। इन खिलाड़ियों ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि यह भी दिखाया कि इंसानी क्षमता की सीमाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर साइमन एंगस का मानना है कि यह रिकॉर्ड भी ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। उनका कहना है कि भविष्य में मैराथन का समय 1 घंटा 54 मिनट तक पहुंच सकता है, यानी मौजूदा रिकॉर्ड से करीब 5 मिनट 30 सेकंड तेज। एंगस पिछले कई वर्षों से मैराथन रिकॉर्ड्स का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में अनुमान लगाया था कि 2 घंटे से कम समय का रिकॉर्ड 2032 तक बनेगा। बाद में उन्होंने इसे 2027 तक संशोधित किया। लेकिन लंदन में जो हुआ, उसने उनकी सभी भविष्यवाणियों को पीछे छोड़ दिया। एंगस बताते हैं, 'यह सिर्फ दौड़ नहीं है, बल्कि विज्ञान, टेक्निक और कड़ी मेहनत का संगम है।

विज्ञान और तकनीक का कमाल : आज के एथलीट्स बेहतर ट्रेनिंग, उन्नत जूतों, संतुलित पोषण और नई टेक्निक का फायदा उठा रहे हैं।' उनका मानना है कि आने वाले समय में जूतों के डिजाइन, कपड़ों के मैटेरियल और टेक्निक जैसे पहलुओं में बदलाव इस खेल को और तेज बना सकते हैं। हालांकि, इसके साथ डोपिंग नियंत्रण भी उतना ही जरूरी रहेगा, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। वे यह भी कहते हैं कि जैसे-जैसे रिकॉर्ड बेहतर होते जाते हैं, उन्हें और सुधारना कठिन हो जाता है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे कोई व्यक्ति फिटनेस सुधारने की कोशिश करता है, शुरुआत में तेजी से सुधार होता है, लेकिन बाद में हर ग्राम कम करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस ऐतिहासिक दिन महिलाओं की दौड़ में भी रिकॉर्ड बना। इथोपिया की टिग्स्ट असेफा ने 2ः15ः41 घंटे के समय के साथ महिलाओं की सबसे तेज 'वुमेंस-ओनली' मैराथन जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। एंगस का मानना है कि भविष्य में यह समय भी 2 घंटे 10 मिनट तक पहुंच सकता है। लंदन मैराथन ने यह साबित कर दिया है कि खेल में 'नामुमकिन' शब्द अब धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। हर नया रिकॉर्ड एक नई उम्मीद जगाता है और यह सफर अभी जारी है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

दूसरी प्रेग्नेंसी के बीच शूटिंग करती दिखीं दीपिका पादुकोण केपटाउन में दीपिका का हाथ पकड़े नजर आए शाहरुख

दीपिका पादुकोण अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के बीच किंग फिल्म की शूटिंग करती दिखाई दी हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्म %किंग% कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं। जारी हुई तस्वीरें साउथ अफ्रीका के केपटाउन शेड्यूल की बताई जा रही हैं। इसमें शाहरुख और दीपिका एक म्यूजिक सीक्वेंस के लिए शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का लुक काफी कूल लग रहा है। दीपिका ने फ्लोरल प्रिंट का गाउन पहना हुआ है और वे सेट पर टहलती नजर आ रही हैं। वहीं, शाहरुख खान प्रिंटेड शर्ट में दिख रहे हैं, जिसके बटन उन्होंने खुले रखे हैं। बैकग्राउंड को देखकर लग रहा है कि यह किसी गाने की शूटिंग का हिस्सा है। इन तस्वीरों में सेट के बाकी क्रू मेंबर्स भी आसपास काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये तस्वीरें ऐसे समय में सामने आई हैं जब दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी फैंस के साथ शेयर की है। दीपिका ने 19 अप्रैल को इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की थी, जिसमें उनकी बेटी दुआ उनकी गोद में बैठी है और हाथ में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़े हुए है। किंग फिल्म को सुजॉय घोष डायरेक्ट कर रहे हैं, जबकि सिद्धार्थ आनंद इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात यह बताई जा रही है कि इसमें शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। केपटाउन के खूबसूरत लोकेशन्स पर फिल्म का एक बड़ा हिस्सा शूट किया गया है। शाहरुख और दीपिका की जोड़ी इससे पहले पठान, जवान, चेन्नई एक्सप्रेस और ओम शांति ओम जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी है।

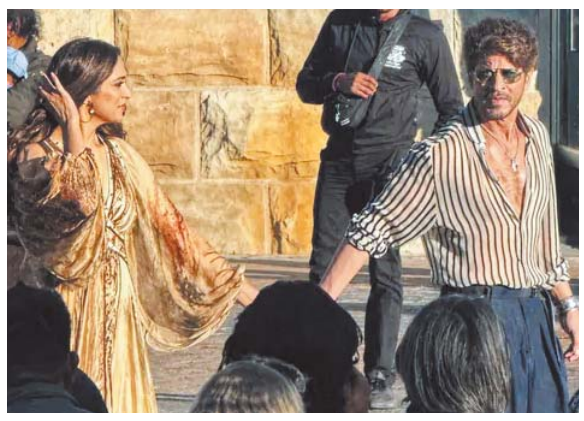

पिछली फिल्मों की सफलता

शाहरुख खान ने साल 2023 में पठान और जवान जैसी फिल्मों के जरिए बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त वापसी की थी। पठान में उनके साथ दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं और इस फिल्म ने दुनियाभर में 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। दीपिका भी हाल ही में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आई थीं।

मेट्रो बाजार

एअर इंडिया अब हर दिन 100 फ्लाइट्स कम करेगी

नईदिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया अपनी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक उड़ानों में करीब 10त्न की कटौती करने जा रही है। टाटा ग्रुप की यह एयरलाइन अक्टूबर के अंत से शुरू होने वाले विंटर शेड्यूल से रोजाना लगभग 100 उड़ानें बंद करेगी। वर्तमान में एयरलाइन हर दिन करीब 900 उड़ानों का संचालन करती है। एयरलाइन ने यह बड़ा कदम जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों और अपने पुराने बेड़े के लिए स्पेयर पार्ट्स की कमी के कारण उठाया है।

एअर इंडिया के पास वर्तमान में लगभग 30 वाइड-बॉडी विमान स्पेयर पार्ट्स और इंजन की कमी की वजह से ग्राउंडेड हैं। हालांकि, एयरलाइन ने बोइंग और एयरबस को नए विमानों के बड़े ऑर्डर दिए हैं, लेकिन उनकी डिलीवरी में अभी समय लगेगा। तब तक कंपनी उपलब्ध विमानों के साथ ही अपना शेड्यूल मैनेज करने की कोशिश कर रही है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन ने भारत को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया से जोड़ने वाले कई महत्वपूर्ण इंटरनेशनल रूट्स पर फ्लाइट्स की फ्रीक्वेंसी कम करने का फैसला लिया है। सैन फ्रांसिस्को, शिकागो, लंदन और सिडनी-इन शहरों के लिए साप्ताहिक उड़ानों में कटौती की जाएगी। घरेलू रूट्स पर भी एअर इंडिया अपनी फ्रीक्वेंसी कम करेगी। कंपनी का प्लान मेट्रो-टू-मेट्रो रूट्स पर उन फ्लाइट्स को कम करने का है जहां वर्तमान में कई डेली सर्विसेज चल रही हैं। इससे एयरलाइन को अपने विमानों को अधिक मुनाफे वाले रूट्स पर लगाने या उन्हें स्टैंडबाय पर रखने में मदद मिलेगी, जिससे ऑन-टाइम परफॉर्मेंस में सुधार हो सके। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशनल कॉस्ट और विमानों की उपलब्धता की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। पिछले कुछ महीनों में जेट फ्यूल के दाम काफी बढ़े हैं, जिससे लंबी दूरी के कई रूट्स वर्तमान फ्रीक्वेंसी पर घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं।

डायरेक्टर ने सामने बिकनी पहनने की डिमांड की, मिथुन चक्रवर्ती की बहु मदालसा का कास्टिंग काउच पर खुलासा

एक्टर मिथुन चक्रवर्ती की बहु और टीवी शो अनुपमा में काव्या का रोल निभाने वाली मदालसा शर्मा ने कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में एक नामी डायरेक्टर ने उनकी बॉडी लैंग्वेज चेक करने के बहाने उनके सामने बिकिनी पहनने की डिमांड रखी थी। मदालसा ने उस वक्त डायरेक्टर पर गुस्सा हो गईं और मीटिंग छोड़कर बाहर निकल गईं। मदालसा शर्मा ने हाल ही में द मेल फेमिमिस्ट पॉडकास्ट में अपनी आपबीती सुनाई।

उन्होंने बताया कि यह वाकया तब का है जब उनकी उम्र केवल 19 साल थी। एक नामी फिल्ममेकर ने उन्हें फिल्म के सिलसिले में मीटिंग के लिए बुलाया था। डायरेक्टर ने उनसे कहा कि वे फिल्म के लिए एक ऐसी लड़की की तलाश में हैं जो पर्दे पर बिकिनी पहनने में सहज हो। मदालसा ने बताया कि प्रोफेशनल तौर पर उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं थी, इसलिए उन्होंने हां कह दिया। बातचीत के दौरान डायरेक्टर ने मदालसा से कहा कि वह अभी उनके सामने बिकिनी पहनकर दिखाएं, क्योंकि वह उनकी बॉडी लैंग्वेज देखना चाहते हैं। इस पर मदालसा ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने डायरेक्टर से कहा, मैं एक प्रोफेशनल एक्ट्रेस हूं। अगर फिल्म के सीन की डिमांड है, तो मैं कैमरे के सामने बिकिनी या कुछ भी पहनने को तैयार हूं क्योंकि वह मेरी जॉब का हिस्सा है। लेकिन आपके सामने इस तरह कपड़े पहनना मेरे काम का हिस्सा नहीं है। मदालसा ने साफ शब्दों में कहा कि अगर उनके टैलेंट पर भरोसा है तो कास्ट करें, वरना उन्हें बाहर जाने का रास्ता पता है। मदालसा ने बताया कि वह तुरंत वहां से चली गईं। कुछ दिनों बाद जब उन्होंने उस फिल्म की कास्टिंग से जुड़ी खबरें पढ़ीं, तो उन्हें सच पता चला। जिस लड़की को उस रोल के लिए चुना गया था, वह असल में उस डायरेक्टर को डेट कर रही थी।

अडाणी एंटरप्राइजेज को चौथी तिमाही में 221 करोड़ का घाटा, सालाना रेवेन्यू 20 फीसदी बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

अडाणी एंटरप्राइजेज ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी को 221 करोड़ का नेट लॉस हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 3,845 करोड़ का नेट प्रॉफिट हुआ था।

हालांकि, कंपनी का रेवेन्यू 20 फीसदी बढ़ा है और यह 32,439 करोड़ पर पहुंच गया है जो पिछले साल की तिमाही में 26,965 करोड़ था। नतीजों के साथ ही अडाणी एंटरप्राइजेज के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.30 प्रति शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की है। पूरे वित्त वर्ष में अडाणी एंटरप्राइजेज का नेट प्रॉफिट 31 फीसदी बढ़कर 9,339 करोड़ रहा है। इस दौरान कंपनी की कुल आय में 3 फीसदी की मामूली बढ़त हुई और यह 1.02 लाख करोड़ के पार पहुंच गई। पूरे साल के लिए कंपनी का EBITDA 16,464 करोड़ दर्ज किया गया है। कंपनी ने बताया कि मुनाफे में कमी आने की मुख्य वजह हाल ही में शुरू हुए नवी मुंबई एयरपोर्ट और कॉपर प्लांट जैसे प्रोजेक्ट्स हैं। इन नए कमीशन किए गए एसेट्स पर डेप्रिसिएशन बढ़ने के कारण बॉटमलाइन प्रभावित हुई है। हालांकि, ऑपरेशनल परफॉर्मेंस स्थिर बनी हुई है। कंपनी का EBITDA सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़कर 4,479 करोड़ रहा है, जो पिछले साल 4,346 करोड़ था।

दिल्ली में इसी महीने से 'नमो यमुना' क्रूज

दिल्ली। भाजपा सरकार एक नई सेवा की शुरुआत करने जा रही है। नमो भारत के बाद अब राजधानी में लोग 'नमो यमुना' में भी सफर कर पाएंगे। इसी महीने (मई) के अंत से तक यमुना नदी में नमो यमुना क्रूज की शुरुआत करने की तैयारी है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यमुना में क्रूज की शुरुआत 20 फरवरी को ही होनी थी, जब दिल्ली में भाजपा सरकार को एक साल पूरे हुए थे। लेकिन कुछ काम पूरे नहीं होने की वजह से लॉन्च को टाल दिया गया था। सरकार अब इसे जल्द ही शुरू करना चाहती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इसका उद्घाटन कर सकती हैं। एक अधिकारी ने कहा, 'बोट अब तैयार है और पेंटिंग का काम पूरा हो चुका है। सफेद और नीले रंग के बोट पर 'नमो भारत' लिखा है और इसे अभी सोनिया विहार स्पोर्ट्स क्लब में रखा गया है। बोट को एक सफेद कपड़े से ढंका गया है।'

5 किलोमीटर का सफर: दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को एचटी को बताया कि केंद्र सरकार के साथ मिलकर एक महीने के भीतर उद्घाटन पर फैसला लिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सोनिया विहार और जगतपुरी के बीच एक घंटे की बोट राइड का संचालन किया जाएगा। यमुना में 5 किलोमीटर का यह सफर होगा। क्रूज के जरिए लोग घाटों और प्राकृतिक सुंदरता को निहार सकेंगे।

न्यूज विंडो

अमेरिका में 16 साल तक अवैध रूप से रहा कारोबारी, चुकाने होंगे 15 करोड़

वाशिंगटन। अमेरिका में 16 साल से गैर-कानूनी तौर पर रह रहे एक गुजराती कारोबारी पर डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने 1.8 मिलियन डॉलर (लगभग 15 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। वह मेक्सिको के रास्ते अमेरिका में दाखिल हुआ था। इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के प्रावधानों के तहत अप्रैल में जारी एक नोटिस में कहा गया है कि उसे कई साल पहले ही देश से निकाले जाने का आदेश दिया गया था, इसके बावजूद उसने जान-बूझकर अमेरिका छोड़ने से इनकार कर दिया। आदेश का पालन न करने की अवधि के दौरान यह जुर्माना 998 डॉलर (94,000 रुपये से ज्यादा) प्रति दिन के हिसाब से तय किया गया है। दस्तावेजों के मुताबिक, यह व्यक्ति 2010 में अमेरिका-मेक्सिको सीमा के रास्ते अमेरिका में दाखिल हुआ था और घुसने के कुछ ही समय बाद उसे हिरासत में ले लिया गया था।

उत्तराखंड: नितिन नवीन के तीन दिवसीय दौरे की तैयारियां तेज, होगा मंथन

देहरादून । उत्तराखंड में राज्य भाजपा के दो सर्वे, पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अप्रत्यक्ष रूप से कार्यकर्ताओं में जोश भरने के बाद अब राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के तीन दिवसीय दौरे की तैयारी तेज हो गई है। इस दौरान सभी 70 विधानसभा सीटों पर जीत के दावेदारों पर मंथन होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगमन आगामी चुनावी तैयारियों के नजरिए से राज्य भाजपा के लिए अहम है। इस बार भाजपा समय रहते एक-एक सीट पर मंथन करेगी। विधायक को फिर से टिकट देना है या नए मजबूत दावेदार होंगे। कुछ सीटों पर ये भी देखा जाएगा कि दूसरे दलों के मजबूत दावेदारों को भाजपा से टिकट दिया जाए। इन सभी संभावनाओं पर तीन दिन तक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंथन करने वाले हैं।

फिरोजाबाद में कपड़े की दुकान में आग, 8 लोगों को बचाया

फिरोजाबाद। नगला करन सिंह में शुक्रवार रात दो बजे भूतल पर स्थित कपड़े की दुकान में आग लग गई। आग फैलकर पहले तल तक पहुंच गई। दूसरे तल आठ लोग फंसे थे। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची। दमकलकर्मियों ने ऊपर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग में दुकान में सामान जल गया है। शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है।

रिफंड घोटाला : कल्याण ज्वेलर्स वाउचर से खरीदते थे सोना, 82 लाख का किया फ्रॉड

गाजियाबाद। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ई-कामर्स प्लेटफॉर्म पर रिफंड के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए हरियाणा के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।आरोपितों का साथी सामान खरीदकर उसे बिना लौटाए ही सिस्टम से छेड़छाड़ कर रिफंड लेता था। रिफंड में धनराशि लेने की बजाय कल्याण ज्वैलर्स के गिफ्ट वाउचर लेकर उन्हें कैश कराया करते थे। बदले में आरोपित उन्हें 10 प्रतिशत धनराशि कमीशन के रूप में देता था। पुलिस का कहना है कि गिरोह के फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है। एसीपी क्राइम अमित सक्सेना के मुताबिक रोहतक निवासी शर्वीन कुमार ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी कंपनी के गाजियाबाद स्थित वेयरहाउस से जुड़े ई-कामर्स प्लेटफार्म एएसएसपीएल पर अलग-अलग नाम, मोबाइल नंबर और पतों से आर्डर किए गए। सामान डिलीवर होने के बाद उन्हें वापस किए बिना ही सिस्टम हैक कर धोखाधड़ी से रिफंड ले लिया गया।

IMF का दावा: अब बड़े कारोबारियों को दे पा रहे टक्कर

भारत में डिजिटल सिस्टम से छोटे उद्यमों की कमाई बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल का असर अब साफ तौर पर दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक नई स्टडी के मुताबिक, जिन राज्यों ने प्रशासनिक कामकाज को तेजी से ऑनलाइन किया, वहां छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता बढ़ी है और अलग-अलग कंपनियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है।

यह अध्ययन 2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित है। इसमें अलग-अलग राज्यों के कारोबारों की तुलना की गई, खासकर उन राज्यों की जिन्होंने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कामों को डिजिटल किया।

डिजिटल सुधारों को अपनाने से बदलाव हुआ: रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों ने ज्यादा डिजिटल सुधार अपनाए, वहां कारोबारों की काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) तेजी से बढ़ी। साथ ही कंपनियों के बीच जो फर्क पहले ज्यादा था, वह भी कम हुआ। इसका मतलब है कि छोटे और बड़े कारोबारों के बीच प्रतिस्पर्धा अब ज्यादा संतुलित हुई है।

98-पॉइंट एक्शन प्लान ?: 2014 में राज्यों ने मिलकर '98-पॉइंट एक्शन प्लान' लागू किया था, जिसका मकसद बिजनेस के लिए नियम आसान बनाना और ज्यादा से ज्यादा प्रक्रियाओं को ऑनलाइन करना था। इसके तहत छह मुख्य क्षेत्रों टैक्स सिस्टम, निर्माण परमिट, पर्यावरण और श्रम नियम, निरीक्षण, व्यावसायिक विवाद और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस में सुधार किए गए।

छोटे कारोबारियों को इस तरह हो रहा फायदा

डिजिटल सिस्टम आने से छोटे कारोबारियों का काम काफी आसान हुआ। अब उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ते हैं, समय और पैसा दोनों की बचत होती है। ऑनलाइन टैक्स फाइलिंग और ऑटोमेटेड मंजूरी जैसी सुविधाओं ने पारदर्शिता बढ़ाई है और देरी को कम किया है। इससे रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में भी कमी आई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि जिन राज्यों में सुधार ज्यादा हुए, वहां कारोबार लगातार बेहतर प्रदर्शन करते दिखे।

एमएसएमई है देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़

भारत का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह क्षेत्र देश के कुल मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का करीब 35% योगदान देता है और लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। इनमें से ज्यादातर छोटे और अनौपचारिक व्यवसाय हैं, जो नियमों और लागत के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं। IMF की यह रिपोर्ट दिखाती है कि डिजिटल गवर्नेंस और बिजनेस सुधारों ने न सिर्फ कामकाज को आसान बनाया है, बल्कि छोटे कारोबारों को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाई है। इसका सीधा असर देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार पर पड़ा है।

हैदराबाद में दर्दनाक हादसा

कार ने लॉरी में पीछे से मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां आउटर रिंग रोड (ORR) पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी 'लॉरी' को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छह लोगों की इस हादसे में मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे लॉरी पर लदे माल की रस्सी कसने के लिए लॉरी को रोका गया था। हालांकि इसी दौरान कार ने पीछे से लॉरी में टक्कर मार दी। कार में कुल 7 लोग सवार थे। इस हादसे में 6 की मौत हो गई, जबकि एक घायल है।

पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतकों में एक महिला और तीन बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि माल को सुरक्षित रखने वाली रस्सियों को कसने के लिए लॉरी को सड़क किनारे रोककर रखा गया था। पुलिस ने बताया कि एक परिवार के सात सदस्य कार से सफर कर रहे थे। उसने बताया कि एक घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है तथा उसकी स्थिति नाजुक बतायी जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह परिवार यादद्रि-भुवनगिरि जिले में एक मंदिर में दर्शन करने के बाद अपने घर संतननगर लौट रहा था।

बीआरएस ने जताया शोक

पुलिस के मुताबिक हादसे में हताहत हुए लोग राजन्ना सिरसिल्ला जिले के सिरसिल्ला कस्बे के रहने वाले थे। विधानसभा में सिरसिल्ला सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार के मुखिया सिरसिल्ला के एक बीआरएस नेता के भाई हैं। बीआरएस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, रामाराव ने शोकसंतप्त परिवार से बातचीत की तथा घटना पर दुख प्रकट किया।

H5N1 वायरस का कहर!

40 मोरों की हुई मौत, नॉनवेज खाने को लेकर प्रशासन ने दी सलाह

तुमकुर। कर्नाटक के तुमकुर जिले में H5N1 वायरस का कहर देखने को मिला है। यहां H5N1 वायरस की वजह से लगभग 40 मोरों की मौत हो गई है। डिप्टी कमिश्नर सुभा कल्याण ने इसकी पुष्टि की है। जिला प्रशासन के मुताबिक, इन्फेक्शन के केंद्र से 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाला इलाका कंटेनमेंट जोन घोषित हो गया है। वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगातार कोशिश की जा रही है।

डिप्टी कमिश्नर सुभा कल्याण ने लोगों को अपील की है कि वे सिर्फ अच्छी प्रकार से पका हुआ और उबला मांस ही खाएं। उन्होंने ये भी कहा कि तुमकुर जिले में जंगली पक्षियों, और उसमें भी खासकर मोरों की मौत की खबर मिलने के बाद उनके सैंपल्स को जांच के लिए भेजा गया था, जिसमें H5N1 वायरस होने की पुष्टि हो गई। कर्नाटक सरकार की तरफ से दिशा-निर्देश मिलने के बाद गहनता से निगरानी कर रहे हैं और रैपिड रिस्पॉन्स टीमें यहां लगातार सर्विलांस करने में जुटी हुई हैं।

घबराने के बजाय सावधानी की जरूरत: उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस इलाके में लगभग 31 पोल्ट्री दुकानों और 10 फार्म के होने की पहचान की है। आज मृत मिले पक्षियों के सैंपल्स को भी जांच के लिए भेज दिया गया।

ताज एक्सप्रेस : लोहे के पाइप से हमले में 2 यात्री घायल

नई दिल्ली। दिल्ली से झांसी जा रहे ताज एक्सप्रेस को नुकसान पहुंचाने की खतरनाक कोशिश की गई है। जानकारी के अनुसार,12280 ताज एक्सप्रेस पर लोहे की पाइप से हमला किया गया है। इस हमले में ट्रेन का शीशा का टूट गया है और इसमें सवार यात्री घायल भी हो गए हैं। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, ये पूरी घटना सुबह 8:15 बजे की है।

जानकारी के मुताबिक, ये घटना दिल्ली-मथुरा रूट के बीच होडल और कोसीकलां स्टेशन के बीच घटित हुई है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने बाहर से लोहे की पाइप ताज एक्सप्रेस ट्रेन के कोच नंबर डी 6 में मारी। पाइप मारने से ट्रेन का इमरजेंसी विंडो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कांच के टुकड़े सीटों पर फैल गए। इस हमले में ट्रेन में सवाल 2 यात्री घायल हो गए हैं।

दिल्ली में डिजिटल जनगणना शुरू 20 मिनट में पूरे होते हैं 33 सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जनगणना 2027 की डिजिटल शुरुआत हो गई है। पहले ही दिन उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कई मंत्रियों ने खुद अपनी स्व-गणना पूरी कर लोगों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया। ये पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है और करीब 20 मिनट में 33 सवालों के जवाब देकर पूरी की जा सकती है।

दिल्ली में जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया शुरू हो गई। इसे देश की पहली डिजिटल जनगणना माना जा रहा है, जिसमें लोग घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर के जरिये अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकते हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि डिजिटल पहल से हर व्यक्ति की सही गिनती सुनिश्चित होगी। सही डाटा ही बेहतर नीतियों और विकास की नींव है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे देश की विकास यात्रा का अहम पड़ाव बताते हुए कहा कि सटीक आंकड़ों के आधार पर ही स्कूल, अस्पताल और इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतर योजना बनती है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और सही जानकारी दें। ये प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और आसान है। कैबिनेट मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने भी स्व-गणना पूरी करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यम से जानकारी देना न केवल सरल है, बल्कि इससे सरकारी कर्मचारियों का काम भी आसान होगा। पोर्टल 16 भाषाओं में उपलब्ध है, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, बंगाली, तमिल और उर्दू शामिल हैं। पहली बार लॉग-इन करते समय भाषा चुननी होगी, जिसे बाद में बदला नहीं जा सकता।

परिवार के मुखिया के नंबर से लॉगइन

अधिकारियों के मुताबिक, एमसीडी के 250 वार्ड में 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना होगी। सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक लोग पोर्टल पर लॉग-इन कर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। हर परिवार के लिए एक ही लॉग-इन की जरूरत होगी, जिसमें परिवार का मुखिया या कोई भी सदस्य मोबाइल नंबर के जरिए रजिस्ट्रेशन कर सकता है।

मेट्रो एंकर

देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स में दाखिले के लिए रविवार को होगी परीक्षा

नीट परीक्षा कल, जूते बैन, ड्रेस कोड और डॉक्यूमेंट लिस्ट समेत जरूरी नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स में दाखिले के लिए रविवार 3 मई को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक नीट यूजी प्रवेश परीक्षा होगी। एग्जाम में अभ्यर्थी डिजाइनर, अधिक लेयर वाले, बड़े बटन वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने नहीं जाएं। साधारण कपड़े पहनने की सलाह दी है। हाई हील के जूते पहनने से बचने की सलाह दी गई है। इससे उन्हें चेकिंग के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। केंद्रों में 11 बजे से परीक्षार्थियों की एंट्री शुरू हो जाएगी। 1:30 बजे के बाद किसी को भी एंट्री नहीं दी जाएगी। सभी अभ्यर्थियों को बॉयोमैट्रिक प्रक्रिया से गुजरना होगा।

विद्यार्थियों को पेन लेकर नहीं जाना है। उन्हें सेंटर पर ही पेन दिया जायेगा। परीक्षार्थी को ओरिजिनल आइडी जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, वोटर कार्ड अथवा सरकार द्वारा जारी कोई अन्य आईडी जिसमें कैंडिडेट की फोटो आ रही हो, इनमें से कोई भी एक आइडी साथ लाना है। नीट के जरिए ही देश के तमाम मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीयूएमएस (MBBS, BDS, BSMS, BAMS, BHMS, BUMS) और अन्य विभिन्न अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेज में दाखिला होता है।

यहां जानें नीट परीक्षा से जुड़े सभी नियम और गाइडलाइंस

नीट ड्रेस कोड: – नीट देने जा रहे लड़के आधी बाजू की शर्ट या फिर टीशर्ट पहनकर आएं। लंबी बाजू वाले कपड़े और ऊनी कपड़े पहनकर आने की अनुमति तो है पर उसके लिए पहले रिपोर्ट करना होगा। फ्रिस्किंग में लंबा समय लग सकता है इसलिए पूरी बाजू वाले कपड़े पहनने से बचें। **ट्राउजर** या सिंपल पैंट पहनकर आएं। पैंट में जेब हो सकती है। कई चेनों वाले और बड़े बड़े बटनों वाले कपड़े न पहनें। मैटेलिक आइटम लाने की अनुमति नहीं है इसलिए मेटल बटन वाली जींस पहनकर आने से बचें। किसी भी ड्रेस में मेटल के बटन नहीं होने चाहिए। **महिलाएं** आधी बाजू की कुर्ती या टॉप पहन सकती हैं। महिलाओं को भी लंबी बाजू वाले कपड़े और ऊनी कपड़े पहनकर आने की अनुमति तो है पर उसके लिए पहले रिपोर्ट करना होगा। फ्रिस्किंग में लंबा समय लग सकता है इसलिए पूरी बाजू वाले कपड़े पहनने से बचें। **स्टूडेंट्स** को जूते पहनने की अनुमति नहीं है। उन्हें चप्पल या कम हील वाली सैंडल पहनने की ही अनुमति है। महिलाएं कम हील वाली सैंडल पहनकर आ सकती हैं। **जूलरी** पहनकर आना भी मना है। सन ग्लासेस, हाथ वाली घड़ी, टोपी पहनकर एग्जाम देने की अनुमति नहीं है।

हेयर बैंड, कड़ा, ताबीज, बेल्ट, स्कार्फ, अंगूठी, कड़ा, कान के बूंदे, नाक की लौंग, गले का हार, बिल्ला, कलाई घड़ी, ब्रेसलेट, कमैरी, मेटेलिक आइटम अपने साथ न लाएं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564